सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"वक्त के फैसले कभी गलत नहीं होते, बस यहीं साबित होने में वक्त लगता है"

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–160 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 29 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

एनजीटी के प्रतिबंध के बीच रेत का अवैध उत्खनन, सरगीपाल रेल साइडिंग पर डंपिंग

382 ट्रैक्टर रेत का रिकॉर्ड, खनिज विभाग ने निर्माण एजेंसी को थमाया नोटिस

नई दृष्टिबिंदु /कांकेर/ भिलाई

जिले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण के स्पष्ट प्रतिबंध के बावजूद रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन का मामला सामने आया है। अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम सरगीपाल में निर्माणाधीन रेलवे रैक यानी रेल साइडिंग स्थल पर बड़ी मात्रा में रेत डंप किए जाने पर खनिज विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग ने संबंधित निर्माण एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी कर रेत की वैधता, परिवहन अनुमति और स्रोत की जानकारी मांगी है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

जानकारी के अनुसार सरगीपाल क्षेत्र में रेलवे रैक निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। निर्माण में बड़ी मात्रा में रेत का उपयोग हो रहा है।20 जून को मौके पर देखा गया कि ट्रैक्टरों से भैयासालेभाट नदी से रेत लाकर लगातार डंप की जा रही थी। साइट पर मौजूद सुपरवाइजर ने रजिस्टर दिखाया। रजिस्टर में दर्ज था कि 20 जून को सुबह से दोपहर 1 बजे तक 61 ट्रैक्टर रेत डंप की गई। इससे पहले 10 जून को 140 ट्रैक्टर और 8 जून को 181 ट्रैक्टर रेत डंप का हिसाब रजिस्टर में दर्ज मिला। तीन दिनों में कुल 382 ट्रैक्टर रेत डंप होने का रिकॉर्ड सामने आया है।

नई दृष्टिबिंदु ने मामले को खनिज विभाग के संज्ञान में लाया कि सरगीपाल और सड़क बनाने वाले ठेकेदार एनजीटी प्रतिबंध के बावजूद अवैध रेत का परिवहन करवा रहे हैं। सूचना के बाद खनिज विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। निरीक्षण के दौरान खनिज इंस्पेक्टर ने रेत के परिवहन से जुड़े दस्तावेज, रॉयल्टी पर्ची, परिवहन चालान और अन्य अभिलेखों की जांच की। प्रारंभिक जांच में कई दस्तावेज मौके पर उपलब्ध नहीं कराए जा सके। सड़क बनाने वाली कंपनी एनसी नाहर को भी नोटिस जारी किया गया है। खनिज विभाग जांच के दायरे में निर्माण एजेंसी को लेकर आया है।

कार्रवाई का प्रावधान

एनजीटी के निर्देशों के तहत मानसून अवधि में अधिकांश नदी घाटों से रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लागू रहता है। इसका उद्देश्य नदियों के प्राकृतिक प्रवाह, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है। प्रतिबंध के दौरान बिना वैध अनुमति रेत का उत्खनन, परिवहन या भंडारण

नियमों का उल्लंघन माना जाता है। ऐसे मामलों में जुर्माना, खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई और वाहन जब्ती तक की कार्रवाई का प्रावधान है।

नियमानुसार होगी कार्रवाई

जिला खनिज अधिकारी सनत कुमार साहू ने कहा कि किसी भी निर्माण एजेंसी को नियमों से ऊपर नहीं माना जा सकता। यदि जांच में पाया जाता है कि रेत बिना वैध अनुमति या अवैध स्रोत से लाई गई है तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नोटिस का जवाब मिलने के बाद उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया जाएगा। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर आर्थिक दंड के साथ अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी।

सोमनी हायर सेकेंडरी स्कूल में नई विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन

नरोत्तमदास अध्यक्ष, अनिता उपाध्यक्ष

नई दृष्टिबिंदु /सोमनी

छत्तीसगढ़ शासन के नवीन निर्देशों के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सोमनी में विद्यालय प्रबंधन समिति (रटउ) का गठन किया गया। शुक्रवार को प्राचार्य सविता अवस्थी की अध्यक्षता में पालक बैठक आयोजित हुई, जिसमें सर्वसम्मति से समिति का चयन किया गया।

शिक्षा की गुणवत्ता और निगरानी है उद्देश्य

बैठक में बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार अब प्राथमिक से हायर सेकेंडरी तक सभी स्कूलों में रटउ बनाई जाएगी। समिति का मकसद विद्यालय विकास में पालकों व समुदाय की भागीदारी बढ़ाना, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना, विकास योजना तैयार करना, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की निगरानी करना है। समिति में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व रहेगा और हर माह बैठक होगी।

नई कार्यकारिणी

समिति के अध्यक्ष नरोत्तमदास बंजारे और उपाध्यक्ष अनिता साहू चुने गए। प्राचार्य सविता अवस्थी पदेन सचिव रहेंगी। शिक्षाविद् के रूप में योगेन्द्र प्रताप सिंह, मितानिन मंजू पटेल शामिल की गईं। शिक्षक सदस्यों में सुनील भागवत, ईश्वरी कोर्राम, निर्मला राजपूत और जी.डी. गुरु हैं। पालक सदस्यों में सुखदेव साहू, योगेश्वरी वर्मा, अन्नु जोशी (ककरेल), लोकेश खांडे, भीखम मार्कण्डे, गजेन्द्र बंजारे, धनराज साहू, संगीता बंजारे, लक्ष्मी सोनी, तिजुराम चक्रधारी (ठेकवा), अशोक साहू (खुटेरी), मिथिला सीवारे (परमलकसा) और कामीन कोसरे (खुटेरी) का चयन हुआ। प्राचार्य सविता अवस्थी ने कहा कि नई समिति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नामांकन, नियमित उपस्थिति और सुरक्षित विद्यालय वातावरण के लिए काम करेगी। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। बैठक में पालकों ने समिति को बधाई दी और स्कूल के विकास में सहयोग का संकल्प लिया।

बीएसपी से छह महीने में 17.87 करोड़ का लोहा चोरी, बड़ा सिंडिकेट बेनकाब

13 गिरफ्तार, 4 सरगना फरार, उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में लौह स्क्रैप चोरी का बड़ा सिंडिकेट सामने आया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि पिछले छह महीने में बीएसपी से सवा तीन हजार टन से अधिक लोहा पार किया गया। इसकी कीमत 17 करोड़ 87 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। वतर्मान दर 55 से 65 हजार रुपए प्रति टन के हिसाब से एक्सपर्ट ने यह आकलन किया है।

एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश पर भिलाई 3 पुलिस और एसीसीयू की टीम ने 26 मई को ग्राम अकलोरडीह में दबिश दी थी। एके ट्रेडर्स के संचालक मोहम्मद सलीम के गोदाम से ट्रक, हाइवा, चेन माउंटेन मशीन, बैकहोलोडर और 250 टन बीएसपी का लौह स्क्रैप जब्त किया गया था। एक महीने के भीतर ट्रांसपोर्टर संजय सिंह और आकाश सिंह समेत 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

हिमांशु ब्रदर्स का संचालक फरार, ऑपरेटर गिरफ्तार

पुलिस ने हिमांशु ब्रदर्स के ऑपरेटर निर्मल सिंह को गिरफ्तार किया है। संचालक हिमांशु खंडेलवालअब भी फरार है। निर्मल ने पूछताछ में बताया कि हिमांशु ब्रदर्स के पास ब्लास्ट फर्नेस 8 से फ्लू डस्ट को मगडम तक शिफ्ट करने का टेंडर है। वहीं आर डी के इंडस्ट्री की प्रोपराइटर पूजा खंडेलवाल के पति गिरीश खंडेलवाल के मगड़म से फ्लू डस्ट बाहर निकालने का टेंडर मिला है। कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से शिफ्ट वाइज रात में एक सप्ताह में तीन दिन, दो दो गाड़ियों से लौह स्क्रैप की चोरी की जाती थी।

3 करोड़ की संपत्ति जब्त, राजनीतिक रसूख की जांच

पुलिस ने चोरी के लोहे की कमाई से बनाई गई 3 करोड़ की अचल संपत्ति और 50 लाख रुपए की ज्वेलरी जब्त कर राजसात कर दी है। जांच अंतिम चरण में है। एक सप्ताह के भीतर उस आरोपी का नाम उजागर हो सकता है जिसके राजनीतिक रसूख से संजय सिंह की खंडेलवाल ग्रुप में एंट्री हुई।

चार प्रमुख आरोपी फरार, वाहन मालिकों की भूमिका संदिग्ध

मामले में घोषित इनामी अभय सिंह, एके ट्रेडर्स गोदाम के संचालक मोहम्मद सलीम, हिमांशु ब्रदर्स के हिमांशु खडेलवाल और आर डीके इंडस्ट्री से जुड़े गिरीश खंडेलवाल अब भी फरार हैं। पुलिस टीम संभावित ठिकानों और रिश्तेदारों के यहां दबिश दे रही है। जांच में यह पहलू भी शामिल है कि परिवहन में इस्तेमाल वाहनों के मालिकों को माल की वास्तविक प्रकृति की जानकारी थी या नहीं। गिरफ्तार आरोपियों ने इस पर सवाल उठाए हैं।

उच्चस्तरीय जांच की मांग, सियासत गरमाई

सांसद विजय बघेल समेत विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने मामले की जांच उच्चस्तरीय एजेंसी से कराने की मांग दोहराई है। उनका कहना है कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि संगठित सिंडिकेट का हिस्सा है। दिलचस्प है कि जैसे जैसे जांच आगे बढ़ रही है, जांच की मांग करने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। जनता पूछ रही है कि जब यह खेल वर्षों से चल रहा था, तब बेचैनी क्यों नहीं दिखी।

एएसपी सुखनंदन राठौर ने कहा कि पुलिस साक्ष्य आधारित जांच कर रही है। अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। नए साक्ष्य सामने आने पर अन्य आरोपितों की भूमिका भी जांच में शामिल की जाएगी। एसएसपी विजय अग्रवाल स्वयं विवेचना की प्रगति पर नजर बनाए हुए हैं। बीएसपी स्क्रैप कांड अब केवल पुलिस की परीक्षा नहीं है। यह पूरे प्रशासनिक तंत्र, राजनीतिक इच्छाशक्ति और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की परीक्षा है। यदि जांच बिना दबाव के अंतिम छोर तक पहुंची तो यह उस व्यवस्था पर प्रहार होगा जिसने वर्षों तक ऐसे नेटवर्क को पनपने दिया। यदि जांच बीच में थम गई तो जनता यह मानने पर मजबूर होगी कि जाल हमेशा छोटी मछलियों के लिए ही बुना जाता है।

दुर्ग के इंदिरा मार्केट स्थित लॉज में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

20 हजार नगद और आपत्तिजनक सामग्री जब्त

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के इंदिरा मार्केट स्थित जलाराम लॉज में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने खुलासा किया है। सिटी कोतवाली और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने रविवार शाम छापा मारकर लॉज संचालक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान लॉज से दो पुरुष और तीन महिलाएं आपत्तिजनक स्थिति में मिले।

कोतवाली पुलिस को रविवार शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि इंदिरा मार्केट स्थित जलाराम लॉज में अनैतिक देह व्यापार चल रहा है। सूचना पर सिटी कोतवाली और एसीसीयू की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से रेड की। मौके पर लॉज का संचालन करने वाला व्यक्ति भी मौजूद था।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने इस मामले में विजय गुजराती, नारायण देशमुख और तमाशा कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ पीटा एक्ट की धारा 3, 4, 5 और 7 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

जब्त सामग्री

छापे में पुलिस ने लगभग 20,000 रुपये नगद, 4 मोबाइल फोन और 80 कंडोम पैकेट सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई में सिटी कोतवाली और एसीसीयू की टीम की सक्रिय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि आसपास होने वाली किसी भी अनैतिक या अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

पलटी मिक्सर मशीन, केबिन में फंसे चालक को बचाया

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।अंजोरा

थाना पुलगांव के चौकी अंजोरा क्षेत्र में थनोद रोड पर अनियंत्रित होकर पलटी मिक्सर मशीन के केबिन में फंसे चालक को पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर सुरक्षित बाहर निकाला। घायल चालक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे समय पर इलाज मिल सका। पुलिस के अनुसार 28 जून को थनोद रोड पर मिक्सर मशीन क्रमांक सीजी 07 सीजेड 6051 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना में चालक केबिन के अंदर गंभीर रूप से फंस गया। सूचना मिलते ही चौकी अंजोरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने स्थानीय ग्रामीणों और आसपास मौजूद लोगों के सहयोग से बिना देरी राहत और बचाव कार्य शुरू किया। संयुक्त प्रयास से चालक को सुरक्षित निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटनास्थल पर मौजूद नागरिकों ने पुलिस की त्वरित और मानवीय कार्रवाई की सराहना की। पुलिस अधीक्षक दुर्ग ने भी रेस्क्यू टीम और सहयोग करने वाले नागरिकों की प्रशंसा की और भविष्य में भी इसी तत्परता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस राहत कार्य में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक चंद्रशेखर सोनी, पीएसआई अभिषेक चंद्रा, आरक्षक सुमन, आरक्षक विक्की यादव और ग्राम थनोद के ग्रामीणों की भूमिका सराहनीय रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सड़क दुर्घटना या किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को दें। संकट के समय सुरक्षित तरीके से पुलिस का सहयोग करें ताकि समय पर राहत कार्य हो सके।

भेंड्रा में फिर टावर पर चढ़ा युवक, ढाई घंटे की मशक्कत के बाद उतारा गया

नई दृष्टिबिंदु /धमतरी

भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम भेंड्रा में रविवार शाम उस समय अफरा तफरी मच गई जब एक युवक बिजली के हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाइश देकर करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया। ग्राम भेंड्रा निवासी यादराम साहू शाम को गांव के पास स्थित हाईटेंशन ट्रांसमिशन टावर पर चढ़ गया था। ऊंचाई पर युवक को देखकर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही भखारा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक से बातचीत कर उसे नीचे आने के लिए मनाया। काफी प्रयास के बाद युवक नीचे उतरा। पुलिस उसे थाने ले गई। ग्रामीणों के अनुसार यादराम पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद से परेशान था। इसी कारण वह पहले भी टावर पर चढ़ चुका है। घटना के बाद गांव में चिंता का माहौल बन गया। ग्राम पंचायत सरपंच हीरेन्द्र मंडावी ने बताया कि युवक शाम करीब 5 बजे टावर पर चढ़ा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद उसे सुरक्षित उतारा गया। भखारा थाना प्रभारी शरद ताम्रकार ने बताया कि युवक को सकुशल नीचे उतार लिया गया है। मामले में नियमानुसार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी।

22 विधाओं में 1000 से अधिक बच्चों और महिलाओं ने लिया प्रशिक्षण

सांसद विजय बघेल बोले, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों से स्मृति नगर की अलग पहचान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्मृति नगर में नि :शुल्क समर कैंप का रंगारंग समापन

स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा स्मृति नगर में 17 वर्षों से आयोजित नि:शुल्क समर कैंप का समापन शुक्रवार को रवींद्रनाथ टैगोर उद्यान में हुआ। 36 दिनों तक चले कैंप में इस वर्ष 22 विधाओं में प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 1000 से अधिक बच्चों और महिलाओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, स्केटिंग, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस, योगा, शतरंज, ड्राइंग, संगीत, स्पोकन इंग्लिश, मेहंदी, कुकिंग, सिलाई कढ़ाई समेत अन्य विधाओं में दिया गया। समापन समारोह में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई विधाओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि रोजमर्रा के कार्यों के अलावा सांस्कृतिक, साहित्यिक, धार्मिक और खेलकूद के आयोजनों के कारण स्मृति नगर सोसाइटी की भिलाई में अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि संस्था की वतर्मान समस्या से वे अच्छी तरह वाकिफ हैं और स्मृति नगर की जनता के साथ हैं। वही होगा जो जनता चाहेगी। संस्था के अध्यक्ष राजीव चौबे ने बताया कि पिछले 19 वर्ष के कायर्काल में स्मृति नगर में अधोसंरचना के विकास के साथ खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दिया गया है। आज स्मृति नगर में बास्केटबॉल, बैडमिंटन, जिम्नास्टिक, स्केटिंग, फुटबॉल, बॉक्सिंग और लॉन टेनिस का प्रशिक्षण वर्ष भर चलता है। इन खेलों में स्मृति नगर के सैकड़ों खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक खेल चुके हैं। कार्यक्रम में प्रतिभागी बच्चों, उनके अभिभावकों और बड़ी संख्या में स्मृति नगर वासियों की मौजूदगी रही।

खास खबर

मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप के लिए आवेदन तिथि 7 जुलाई तक बढ़ी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सीएमआईटी फेलोशिप 2026 के तहत एमटेक डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 जुलाई 2026 कर दी गई है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 1 जुलाई थी। यह कार्यक्रम नवा रायपुर स्थित आईआईआईटी एनआर में संचालित होगा। चयनित विद्यार्थियों को प्रतिमाह 50,000 रुपये की फेलोशिप दी जाएगी। ट्यूशन फीस का पूरा खर्च छत्तीसगढ़ शासन उठाएगा। मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी शिक्षा के साथ राज्य शासन के विभिन्न विभागों में वास्तविक परियोजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा। इससे युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। साथ ही शासन की डिजिटल सेवाओं और नवाचार आधारित पहलों में योगदान का मौका मिलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी 7 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के लिए आईआईआईटी एनआर की वेबसाइट देखी जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में दूरभाष क्रमांक 0771-2474048 और 0771-2474182 पर संपर्क किया जा सकता है।

कोटमीकला के 25 किसानों को मिला उन्नत मूंगफली बीज, आधुनिक खेती का मिला प्रशिक्षण

रायपुर। तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से कृषि विभाग ने जीपीएम जिले के पेंड्रा विकासखंड के ग्राम कोटमीकला में उन्नत मूंगफली बीज का वितरण किया। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन योजना के तहत 10 हेक्टेयर प्रदर्शन रकबे के लिए चयनित 25 किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज दिए गए। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अमित कुमार तंवर, कृषि विकास अधिकारी मधुसूदन, क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और ग्राम पंचायत के सरपंच भंवर सिंह अमी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि प्रमाणित और उन्नत बीजों के उपयोग से उत्पादन और फसल की गुणवत्ता दोनों में सुधार होता है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को बीज उपचार, समय पर बुआई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, कीट और रोग प्रबंधन, जल संरक्षण तथा फसल की वैज्ञानिक देखभाल की जानकारी दी। किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर खेती करने और विभागीय सलाह का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन का उद्देश्य केवल बीज उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि किसानों को वैज्ञानिक खेती की नई तकनीकों से जोड़कर तिलहनी फसलों का उत्पादन बढ़ाना और खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करना है। प्रदर्शन आधारित खेती से अन्य किसान भी प्रेरित होंगे और क्षेत्र में मूंगफली सहित तिलहनी फसलों का रकबा बढ़ेगा। किसानों ने शासन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त बीज और तकनीकी मार्गदर्शन से खेती अधिक लाभकारी बनेगी। कृषि विभाग ने सभी किसानों से शासन की कृषि हितैषी योजनाओं का लाभ लेने और उन्नत तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

खैरागढ़ में सघन पल्स पोलियो अभियान शुरू, 53 हजार से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ रविवार को सिविल अस्पताल खैरागढ़ में हुआ। विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा, जनपद अध्यक्ष डॉ राजेश्री त्रिपाठी, जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष और सांसद प्रतिनिधि भागवत शरण सिंह, कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने बच्चों को पोलियो वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक पिलाकर अभियान शुरू किया। अतिथियों ने जिले के सभी अभिभावकों से 0 से 5 वर्ष आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाने की अपील की। जिले में 53,344 बच्चों को पोलियो वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक देने का लक्ष्य है। पहले चरण में सभी ग्रामों और चिन्हांकित शहरी वार्डों में स्थापित 213 पोलियो बूथों के माध्यम से खुराक पिलाई गई। प्रत्येक बूथ का शुभारंभ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक पात्र बच्चे तक वैक्सीन पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से अभियान में सहयोग का आग्रह किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आशीष शर्मा ने बताया कि अभियान के लिए 213 बूथ, 427 टीकाकरण दल, 854 दल सदस्य और 43 पयर्वेक्षक तैनात किए गए हैं। जो बच्चे बूथ तक नहीं पहुंच पाएंगे, उन्हें 29 और 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर घर जाकर खुराक पिलाएंगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ बोधन सिंह परते ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त है लेकिन विश्व के कुछ देशों में अभी भी पोलियो वायरस मौजूद है। इसलिए हर अभियान में सभी बच्चों को अतिरिक्त खुराक दिलाना जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से हर बार दो बूंद पिलाने की अपील की। कार्यक्रम में ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक बिसेन, डॉ पंकज वैष्णव, डीडीएम खिलेश साहू, डीएएम नवीन चौहान, जिला आरएमएनसीएचए कंसल्टेंट कीर्ति चतुबिर्दानी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कमर्चारी उपस्थित रहे।

मंत्री अग्रवाल ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

रायपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने रविवार को अंबिकापुर जिले के लखनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि मोहल्ले और आसपास के हर बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि "दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरार" आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ रखने का संकल्प है। यदि कोई बच्चा बूथ तक नहीं पहुंच पाता तो घर घर आने वाली स्वास्थ्य टीम को जानकारी दें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों, आशा कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवी संगठनों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से छत्तीसगढ़ अपनी पोलियोमुक्त पहचान बनाए रखेगा। बच्चों का स्वास्थ्य ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे। बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई और अभिभावकों को नियमित टीकाकरण व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। प्रदेश में 28 से 30 जून तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान चल रहा है। इसके तहत करीब 35 लाख 98 हजार 904 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। पूरे प्रदेश में 14,396 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। 28 जून को बूथों पर दवा पिलाई गई।

जीपीएम में पल्स पोलियो अभियान शुरू

रायपुर। जीपीएम जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को जिला चिकित्सालय में हुआ। कलेक्टर डॉ संतोष कुमार देवांगन ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक दिलाना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से शून्य से पांच वर्ष तक के हर बच्चे को दवा पिलाने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामेश्वर शर्मा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ केके सोनी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। अभियान शुरू होते ही जिले के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को खुराक पिलाई गई। सुबह से ही अभिभावक बच्चों को लेकर बूथों पर पहुंचे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामेश्वर शर्मा ने बताया कि इस वर्ष जिले में 53,490 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। पहले चरण में 28 जून को सभी बूथों पर दवा पिलाई गई। दूसरे और तीसरे चरण में 29 और 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर घर जाकर छूटे हुए बच्चों को खुराक पिलाएंगी। इसके लिए विशेष स्वास्थ्य दलों का गठन किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभियान के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया है। दवा, परिवहन और अन्य व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की गई हैं। दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में भी विशेष दल तैनात किए गए हैं ताकि कोई बच्चा वंचित न रहे। विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि घर पहुंचने वाली टीम का सहयोग करें और शून्य से पांच वर्ष तक के हर बच्चे को दो बूंद दवा जरूर पिलाएं। नियमित खुराक ही पोलियो से स्थायी सुरक्षा देती है। जनसहभागिता और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयासों से ही पोलियो मुक्त समाज का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पहले दिन 81 प्रतिशत बच्चों को पिलाई गई दवा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन दुर्ग जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के करीब 81 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोटियाकला में जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पूरे जिले में अभियान की निगरानी की। दुर्ग, भिलाई, पाटन, धमधा और निकुम सहित जिलेभर के पोलियो बूथों पर जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर लोगों को जागरूक किया। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन पालकों में बच्चों को दवा पिलाने को लेकर उत्साह दिखा। जिला अस्पताल दुर्ग में आज जन्मे 9 नवजात शिशुओं को भी जन्म के साथ पोलियो की खुराक दी गई। सेक्टर-9 बीएसपी अस्पताल और निजी नर्सिंग होम में जन्मे नवजातों को भी ड्रॉप पिलाई गई। अभियान की निगरानी के लिए अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव ग्लैड ने निकुम, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे ने पाटन, जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव ने धमधा में मॉनिटरिंग की।

वहीं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेन्द्र बेलचंदन ने निकुम, डॉ. बी आर कठौतिया ने पाटन, डॉ. रचना अग्रवाल ने धमधा, डॉ. पीयाम सिंह ने शहरी भिलाई व टाउनशिप और डॉ. चुनारकर ने शहरी दुर्ग में भ्रमण कर निगरानी की। स्वास्थ्य विभाग की ट्रांजिट और मोबाइल टीमों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, टेम्पो स्टैंड, झुग्गी बस्तियों, ईंट भट्ठों, फैक्ट्री क्षेत्रों और नदी किनारे की बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को दवा पिलाई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 29 और 30 जून को घर घर अभियान चलाया जाएगा। पहले दिन बूथ तक नहीं पहुंच पाए सभी बच्चों को दवा पिलाकर अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाने का लक्ष्य है।

पर्यटन मंडल के अधिकारियों ने किया राजमेरगढ़ का दौरा, स्थानीय धरोहरों को बताया मजबूत आधार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य और अध्यक्ष नीलू शर्मा ने गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल राजमेरगढ़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिले में पर्यटन विकास के कार्यों और सुविधाओं का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया गया। उन्हें जीपीएम पर्यटन कॉफी टेबल बुक भेंट कर जिले की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत तथा पर्यटन संभावनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि जिले के पर्यटन स्थलों को स्थानीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आजीविका से जोड़कर विकसित किया जा रहा है। प्रबंध संचालक विवेक आचार्य और अध्यक्ष नीलू शर्मा ने पर्यटन समितियों द्वारा संचालित गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था और प्राकृतिक सौंदर्य के संरक्षण का अवलोकन किया। स्थानीय समितियों के प्रतिनिधियों ने बताया कि जनसहभागिता से पर्यटन को रोजगार और स्थानीय आर्थिक विकास का माध्यम बनाया जा रहा है। समितियों ने स्थानीय युवाओं की भागीदारी, पर्यावरण संरक्षण, स्थलों के प्रबंधन और संस्कृति संरक्षण के प्रयासों की जानकारी भी दी।

प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने कहा कि गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है। यहां पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। स्थानीय लोगों की सक्रिय सहभागिता से इन्हें प्रभावी रूप से विकसित किया जा रहा है। जनसहभागिता आधारित पर्यटन मॉडल से पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलता है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर बनते हैं।

उन्होंने पर्यटन समितियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने समितियों से गुणवत्तापूर्ण, पर्यटक अनुकूल, स्वच्छ, सुरक्षित और जनसहभागिता आधारित गतिविधियां आगे बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि गौरेला पेंड्रा मरवाही राज्य के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में अलग पहचान बना सके इस अवसर पर पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी, पर्यटन समितियों के प्रतिनिधि तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

फीफा विश्व कप के बीच आई बुरी खबर

नीदरलैंड के फॉरवर्ड गाक्पो के अजन्मे बेटे की गर्भ में मौत

वाशिंगटन : नीदरलैंड के फॉरवर्ड कोडी गाक्पो की 'पार्टनर' (महिला मित्र) ने घोषणा की है कि गर्भावस्था के दौरान उनके अजन्मे बेटे की मृत्यु हो गई। गाक्पो और मॉडल नोआ वैन डेरबिज का पहले से ही एक बेटा है और अक्टूबर में उनकी दूसरी संतान होनी थी। गाक्पो अभी विश्व कप में टीम के साथ हैं, जहां नीदरलैंड नॉकआउट चरण में पहुंच चुका है। वैन डेरबिज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दोनों कंबल और छोटी बुनी हुई टोपी के ऊपर हाथ पकड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह घोषणा भी की कि बच्चे की मौत हो गई है। वैन डेरबिज ने लिखा, 'आपके प्यार और समर्थन के लिए आभार। एलिजय राफेल गाक्पो। हमेशा प्रिय। हमेशा हमारा बेटा।' अपनी पोस्ट में गाक्पो ने लिखा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय है। हम आपसे निजता और एकांत बनाए रखने का अनुरोध करते हैं।' गाक्पो ने स्वीडन के खिलाफ नीदरलैंड की जीत में दो गोल किए और टीम को अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने में मदद की। नीदरलैंड सोमवार को राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ेगा।

डैनी वायट की तूफानी पारी से जीता इंग्लैंड, न्यूजीलैंड हुआ बाहर

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 28वें मुकाबले में इंग्लैंड ने अपनी बादशाहत साबित करते हुए गत विजेता न्यूजीलैंड को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी है। केनिंग्टन ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर मिली इस शर्मनाक हार के साथ ही न्यूजीलैंड का इस टूर्नामेंट में सफर ग्रुप स्टेज में ही खत्म हो गया है और वह विश्व कप से बाहर हो गई है।

वायट और डंकले का तूफान, इंग्लैंड की धमाकेदार जीत

न्यूजीलैंड से मिले 164 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को इंग्लैंड की टीम ने बेहद आसानी से महज 1 विकेट खोकर 17.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। खराब फॉर्म से जूझ रही एमी जोन्स का फ्लॉप शो इस मैच में भी जारी रहा और वह सिर्फ 17 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। जोन्स का विकेट गिरने के बाद डैनी वायट और सोफी डंकले ने क्रीज पर मोर्चा संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों ने कीवी गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई और टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वायट और डंकले के बीच दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 128 रनों की नाबाद और अटूट साझेदारी हुई, जिसने इंग्लैंड को एकतरफा जीत दिला दी।

डैनी वायट ने खेली 89 रनों की नाबाद पारी

इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डैनी वायट ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए मैदान के चारों तरफ चौके-छक्के बरसाए। उन्होंने सिर्फ 53 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 89 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 1 गगनचुंबी छक्का शामिल रहा। वहीं, दूसरी छोर पर उनका बखूबी साथ निभाते हुए सोफी डंकले 38 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 49 रन बनाकर नाबाद रहीं। न्यूजीलैंड की तरफ से एकमात्र सफलता गेंदबाज नेन्सी पटेल को मिली।

न्यूजीलैंड ने बनाए थे 163 रन, काम न आई अच्छी शुरुआत

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 163 रन टांगे थे। टीम को कप्तान अमेलिया केर और इसाबेला गेज ने बेहद मजबूत और दमदार शुरुआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.6 ओवरों में 70 रनों की साझेदारी की। हालांकि, गेज की पारी थोड़ी धीमी रही और वह 27 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान अमेलिया केर ने 34 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 42 रनों की कप्तानी पारी खेली।

इसके बाद सोफी डिवाइन ने तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 14 गेंदों में 1 चौका और 3 छक्के जड़कर 30 रन बटोरे। मध्यक्रम में इजी शार्प बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा सकीं और बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गईं। ब्रॉक हॉलिडे ने 17 गेंदों में 20 रनों का योगदान दिया, जबकि मेडी ग्रीन 17 रन बनाकर नाबाद रहीं। वहीं सूजी बेट्स बदकिस्मत रहीं और 13 गेंदों में 19 रन बनाकर रनआउट हो गईं।

शुभमन पर चढ़ा फुटबॉल का फीवर! रोनाल्डिन्हो के साथ आए नजर

न्यूयॉर्क। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अमेरिका में ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो से मुलाकात की। यह मुलाकात अमेरिका में खेले जा रहे फीफा विश्व कप 2026 के दौरान हुई, जिसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से कर रहे हैं। शुभमन गिल ने इस खास मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की, जिसमें वह ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर और 2002 फीफा विश्व कप विजेता रोनाल्डिन्हो के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद क्रिकेट और फुटबॉल प्रशंसकों के बीच यह काफी चर्चा का विषय बन गई।

शानदार फॉर्म में हैं शुभमन गिल

शुभमन गिल हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए नजर आए। भारत ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की और कप्तान के तौर पर यह गिल की पहली वनडे सीरीज जीत रही। गिल ने दो पारियों में 232 रन बनाए, जिसमें 154 रन की शानदार पारी भी शामिल रही। बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। इस सीरीज के दौरान गिल ने वनडे क्रिकेट में 3,000 रन और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 7,000 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया।

रोनाल्डिन्हो की वापसी की चर्चा

दूसरी ओर, ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 46 वर्षीय रोनाल्डिन्हो ने इटली के सीरी-सी क्लब रावेना के साथ करार किया है। हालांकि शुरुआत में क्लब प्रबंधन ने साफ किया था कि उनकी भूमिका केवल मार्केटिंग और प्रमोशनल गतिविधियों तक सीमित रहेगी। लेकिन बाद में क्लब के उपाध्यक्ष अरिएदो ब्राइडा ने उनके मैदान पर उतरने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'रोनाल्डिन्हो एक कालजयी खिलाड़ी हैं। उन्होंने रावेना के साथ अनुबंध किया है, जो हमारे क्लब के लिए बड़ी उपलब्धि है। क्या वह खेलेंगे? यह अभी तय नहीं है, लेकिन इसकी संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता।'

'नई जर्सी, वही मुस्कान'

रोनाल्डिन्हो ने क्लब से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा, 'नई जर्सी, लेकिन वही मुस्कान। मैं फिर से मैदान पर उतरने और इस क्लब के साथ नई कहानी लिखने के लिए उत्साहित हूं। फुटबॉल हमेशा मेरे लिए खुशी का माध्यम रहा है और मैं 'जोगा बोनितो' की उसी भावना को रावेना के साथ साझा करना चाहता हूं।' रोनाल्डिन्हो ने अपने पेशेवर करियर का आखिरी मुकाबला साल 2015 में फ्लूमिनेंसे के लिए खेला था। इसके बाद वह लगातार लेजेंड्स और एग्जीबिशन मैचों में हिस्सा लेते रहे हैं। अब रावेना के साथ उनका जुड़ना फुटबॉल जगत में एक बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है।

अफ्रीका ने रचा इतिहास

पहली बार नॉकआउट राउंड में 9 टीमें पहुंचीं

न्यूयार्क। फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। पहली बार अफ्रीका की रिकॉर्ड नौ टीमें टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण (राउंड ऑफ 32) में पहुंची हैं। कांगो की उज्बेकिस्तान पर शानदार जीत और ऑस्ट्रिया के खिलाफ अल्जीरिया के रोमांचक ड्रॉ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुहर लगा दी। मोरक्को, मिस्र, सेनेगल और घाना जैसी मजबूत टीमों के साथ केप वर्दे और कांगो जैसी टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली अफ्रीकी टीमें :

मोरक्को
दक्षिण अफ्रीका
सेनेगल
आइवरी कोस्ट
घाना
केप वर्दे
मिस्र
अल्जीरिया
कांगो

विश्व कप 2026 के लिए अफ्रीका से कुल 10 देशों ने क्वालीफाई किया था, जिनमें से नौ ने अब नॉकआउट में भी अपनी जगह बना ली है।

अफ्रीका की रिकॉर्ड 9 टीमों ने किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई – अटलांटा में खेले गए मुकाबलों के बाद अफ्रीका की नौ टीमों ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। इससे पहले किसी भी विश्व कप में इतने अफ्रीकी देश नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाए थे।

- **कांगो की जीत ने रचा इतिहास –** कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3–1 से हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया। मुकाबले में उज्बेकिस्तान ने 10वें मिनट में एल्डोर शोमुरोदोव के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद कांगो ने शानदार वापसी की। योएन विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम (90+1) में दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मायेले ने 78वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विस्सा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब कांगो का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसे टीम के लिए सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।
- **अफ्रीकी फुटबॉल की बढ़ती ताकत –** इस विश्व कप ने साबित कर दिया कि अफ्रीकी फुटबॉल अब केवल कुछ चुनिंदा टीमों तक सीमित नहीं है। केप वर्दे और कांगो जैसी उभरती टीमों का नॉकआउट में पहुंचना इस महाद्वीप की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण है। विश्व कप के इतिहास में पहले केवल छह अफ्रीकी देश ही कभी नॉकआउट चरण तक पहुंच पाए थे, लेकिन 2026 संस्करण ने इस रिकॉर्ड को पूरी तरह बदल दिया।

आमिर जंगू ने लारा और गेल की बराबरी की, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऐतिहासिक दोहरा शतक लगाया

एंटीगा : वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में में रिकॉर्ड 233 की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दस दोहरे शतक के साथ वह ब्रायन लारा और क्रिस गेल के बाद श्रीलंका के खिलाफ़ टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे कैरेबियाई बल्लेबाज बन गए। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना पहला दोहरा शतक लगाकर शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जंगू ने 342 गेंदों में अपना दोहरा बनाया। उन्होंने सोनल दिनुशा की गेंद पर एक रन लेकर अ यादगार पारी पूरी की। यह पारी अनुशासन, धैर्य और नियंत्रित आक्रामकता क बेहतरीन उदाहरण थी।

यह उपलब्धि जंगू के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर का एक और शानदार अध्याय है। अपने वनडे डेब्यू पर शतक लगाकर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वे वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे खास रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं और देश के दो महानतम बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। ब्रायन लारा श्रीलंका के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी थे। उन्होंने 2001 में कोलंबो में 221 रन बनाए थे और फिर 2003 में सेंट लूसिया में 209 रनों की एक और शानदार पारी खेली थी। क्रिस गेल ने 2010 में गाले में 333 रनों की विशाल पारी खेलकर इस विरासत को और आगे बढ़ाया। यह पारी आज भी श्रीलंका के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। गेल पाकिस्तान के यूनिस खान के साथ उन दो बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने इस द्वीप देश के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। जंगू की शानदार पारी वेस्टइंडीज की पहली पारी की मजबूत नींव बनी। उन्होंने कप्तान रोस्टन चेज के साथ मिलकर एक बड़ी साझेदारी की, जिसने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और मेजबान टीम को सीरीज के पहले मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

चेकओपन 2026:

दीक्षा डागर की दमदार वापसी, तीन भारतीय महिला गोल्फरों ने कट किया पार

नई दिल्ली। चेक गणराज्य में खेले जा रहे टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन 2026 में भारतीय महिला गोल्फरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्व चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर खिताब की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उनके अलावा प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी कट हासिल कर भारत की चुनौती को मजबूत किया। हालांकि अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी कट पार करने में सफल नहीं हो सकीं।

दीक्षा डागर ने बनाए रखी खिताब जीतने की उम्मीद – 2019 की चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे राउंड में संयमित खेल दिखाते हुए एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। पहले दिन के शानदार 66 के बाद उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 36 होल के बाद कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गईं। हाल ही में डच लेडीज ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहने वाली दीक्षा शानदार लय में नजर आ रही हैं। वह

तीन भारतीय खिलाड़ियों का अभियान हुआ समाप्त

दूसरी ओर भारत की अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। तीनों खिलाड़ी कट लाइन पार करने में नाकाम रहीं और उनका अभियान दूसरे दौर के बाद ही समाप्त हो गया।

स्वीडन और इंग्लैंड की खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान की जंग

टूर्नामेंट में फिलहाल स्वीडन की लिसा पीटरसन और इंग्लैंड की चार्लोट हीथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है। हालांकि दीक्षा डागर उनसे केवल चार शॉट पीछे हैं। ऐसे में अंतिम दौर में मजबूत प्रदर्शन उन्हें एक बार फिर खिताब की दौड़ में सबसे बड़े दावेदारों में शामिल कर सकता है।

लीडर से सिर्फ चार शॉट पीछे हैं और अंतिम दौर में मजबूत चुनौती पेश कर सकती हैं।

प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी किया प्रभावित – भारत की युवा गोल्फर प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर में बेहतरीन 67 का कार्ड खेलकर अपनी स्थिति मजबूत की और आसानी से कट हासिल किया। वहीं अनुभवी वाणी कपूर ने 70 का स्कोर बनाकर सप्ताहांत के मुकाबलों में जगह बनाई। तीन भारतीय खिलाड़ियों का अंतिम दो दौर में पहुंचना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

भारतीय गोल्फ की नजरें अब अंतिम दौर पर – तीन भारतीय खिलाड़ियों के कट पार करने से भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

फॉर्म में लौटे सुमित नागल, दो साल में पहली बार जीता एटीपी चैलेंजर खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने रोमानिया के टार्गु मुरेस में खेले गए इंटारो ओपन क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में फ्रांस के क्वालीफायर फेलिक्स बालशॉ को 6-3, 7-5 से हराकर दो साल से ज्यादा समय में अपना पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही चैलेंजर स्तर पर नागल का खिताबी सूखा भी खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने जून 2024 में जर्मनी में हेलब्रॉन चैलेंजर जीता था।

सातवां एटीपी चैलेंजर खिताब अपने नाम किया

यह इस 28 वर्षीय खिलाड़ी का कुल सातवां एटीपी चैलेंजर एकल खिताब था और क्ले कोर्ट पर यह उनकी पांचवीं ट्रॉफी थी जो इस कोर्ट के प्रति उनके लगाव को दर्शाती है। नागल खराब दौर के बाद अपनी रैंकिंग को फिर से बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं और इस खिताब से उन्होंने 75 एटीपी रैंकिंग अंक हासिल किए। उम्मीद है कि नई रैंकिंग जारी होने पर वह दुनिया में लगभग 219वें नंबर पर पहुंच जाएंगे। उन्हें अपनी इस कामयाबी के लिए 15,510 यूरो की पुरस्कार राशि भी मिली। भारतीय खिलाड़ी ने बेसलाइन से शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन दूसरे सेट में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि बालशॉ मुकाबले में बने हुए थे। हालांकि नागल ने मैच के आखिरी पलों में संयम बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत हासिल की। यह खिताब नागल के लिए सही समय पर आया है क्योंकि इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह फिर से बनाने की कोशिश में जुटे नागल ने इस सत्र का अधिकतर समय चैलेंजर सर्किट पर खेलते हुए बिताया है।

इस टूर्नामेंट से पहले उन्होंने 13 चैलेंजर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और दूसरे दौर से आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इस ट्रॉफी से पहले उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन मोल्दोवा में चिसिनाउ टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल तक जगह बनाना रहा था।

किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर-एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22–20, 15–21, 21–19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

- **तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष –** पहले गेम में श्रीकांत ने 17–11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22–20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21–15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी श्रीकांत ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन ओकिमोटो ने स्कोर 12–12 से बराबर कर दिया।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

यज्ञवल्क्य मिश्रा

थके हुए फैसले द गूड

गवनार्मेंट गवर्नेंस ने अपनी चिर परिचित शैली में याने फैसला तब करो जब कि टालने का समय भी समाप्त हो जाए उस व्यवस्था को सम्मान देते हुए बस्तर आईजी के रुप में नए साहब को पदस्थ किया है। एसपी की लिस्ट बन गई है की चर्चा हर हफ़्ते किसी न किसी जगह होती ही है। लेकिन सरकार की ट्रांसफर पोस्टिंग में अपनी चिर परिचित शैली है और वह शैली यही है कि, सबसे बड़ा फैसला यह करो कि कोई फैसला ही मत करो। जाहिर है इस ख्याति लब्ध आदत की वजह से लिस्ट पूंगली बनकर जाने कहाँ चली गई है। इन सबके बीच भी यदि फैसले हो रहे हैं और क्रियान्वयन भी हो रहा है तो निंदक आलोचकों को यह क्यों कहना चाहिए कि, यह थके हुए फैसले हैं और इससे मैंगो पिपुल के सामने अच्छी छवि तो बिल्कुल नहीं बनती है।

पकड़ाया तो चोर वर्ना

इस सरकार में यूँ तो हर बात खूबसूरत है। लेकिन सबसे खूबसूरत यह है कि, सरकार केवल उन्ही से परहेज कर रही है जिन्हे लेकर उसके पास यह बहाना हो कि, अमूक के पास तो फलाँ एजेंसी गई थी। अब कोई दलील देता रहे, तर्क और तथ्य से स्थापित करता रहे कि, ये एजेंसी का पहुँचना जाँच नहीं एजेंडा था और एजेंसियों की यह हरकत अपने आप में जाँच का सबब है। लेकिन सरकार तो सरकार है और सरकार ठेंगे से गलत होती नहीं है, कम से कम अपने राम तो यही मानते हैं। अब ये भी है कि, दुश्मन लोग हल्ला उड़ाते हैं कि, लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ रहा है, रेत माफिया कोल माफिया खनिज माफिया वगैरह वगैरह तीन तूफान मचा रहे हैं, क़ाबिल दरकिनार है और क़ाहिलों को ज़िम्मा है, वगैरह वगैरह। लेकिन सुशासन सरकार जानती है कि, ये सब फर्जी बातें हैं, और एक लाइन की स्थाई बात है कि जो भी जितना भी आंय बांय हो रहा है वही सुशासन है। वैसे एक चुगलखोर ने यह कहा है जिस सबसे नाजुक जगह पर हालिया पोस्टिंग हुई है, उनका मसला सिर्फ.इतना है कि, वे बस पकड़ाए नहीं वर्ना कंबल के अंदर घी पी नहीं रहे थे बल्कि पूरे कनस्तर में ही डूबे हुए थे।

बताईए यह भी कोई बात है

राम राम करते ढाई साल गुजरे और सरकार ने एल्डरमेन की लिस्ट जारी की। अब इस बचे ढाई साल में कितना समय मिलेगा और क्या ही कर पाएंगे वह मसला छोड़िए लेकिन जिस अंदाज में इस लिस्ट में मौजूद नाम पर कमोबेश हर जगह जो टंटा बवाल चल रहा है वह भी अजब गजब है। सुशासन सर के गृह जिले में एक सीनियर बीजेपी वर्कर ने व्हाट्सएप ग्रुप में ही लिख दिया कि, ये जो अलना फलना है इनका नाम इसलिए है कि, वो पांच लाख पेमेंट कर के आए थे। एक जगह तो और गजब हुआ। देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने लिस्ट देख पूर्व मेयर को बधाई लिख दी। बताया गया कि, जिसे लिस्ट में जगह मिली है वह पूर्व मेयर का निजी स्टाफ का हिस्सा ही नहीं बल्कि खास अलमबरदार था। जाहिर है कांग्रेसी ही रहा होगा। ऐसा ही तूफान दो तीन और जगह से आया है। लेकिन सहाफी को पता है ये सब बिल्कुल फर्जी मसला है। संगठन गढ़े चलो वाले भाईसाब लोग हवा में फैसला नहीं करते। कोई कहीं रहा हो लेकिन वाशिंग मशीन में कूद दिया तो सब ठीक हो जाता है। जो देवतुल्य कार्यकर्ता इधर उधर लिखते बड़बड़ाते घूम रहे हैं उन्हें कई राज्यों में मौजूद मंत्रियों या कि एक राज्य के सीएम साहब को याद कर लेना चाहिए।

ये अफवाह कौन उड़ा रहा है

सरकार का एक बेहद प्रिय डिपाटर्मेंट है। प्रिय इसलिए कि रेवेन्यू जबर आता है इस विभाग से। इस डिपाटर्मेंट को लेकर अफवाह उड़ गई है कि, चार दिन पहले साहब ने बैठक बुलाई और मेन पावर सप्लाई करने वाली आठ कंपनियों को प्रति माह का टार्गेट दिया गया है कि, इतना पेमेंट तो करना ही पड़ेगा। कोई कह रहा है कि प्रति कंपनी प्रति माह आठ का टार्गेट है कोई कहता है दस का टार्गेट है। अब बताईए इस सरकार में ऐसी अफवाह फैला रहे हैं। अपने राम जानते हैं और मुकम्मल जानते हैं, इस सरकार में भ्रष्टाचार की जगह नहीं है। टोटल जीरो टॉलरेंस हैं। मंत्री हो या सिपाही, अफसर हो या कोटवार सब केवल तनख़्वाह पर जीवन निर्वाह कर रहे हैं।

जलवा हो तो ऐसा हो

एक व्हीव्हीआईपी जिले का किस्सा भी तमाम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस जिले में जो अध्यक्ष जी हैं उनके नेतृत्व में नगरीय निकाय चुनाव में लोटा गिर गया याने कि पार्टी हार गई। इसके पहले कायर्कारिणी से लेकर सौ बवाल होते ही रहे, लेकिन मजाल है कि कुछ हुआ हो। शानदार पोहे जलेबी के लिए मशहूर इस शहर में यह किस्सा भी है कि, संगठन वाले भाई साहब तीन बार चमका चुके हैं लेकिन जवान का जलवा ये है कि, वे जस के तस हैं। उनके दुश्मन बता रहे हैं कि, मंडी का पुराना एक्सपीरिएंस भी उन्हें भरपूर उर्जा दे रहा है। अब ये केवल संयोग है कि, सरकार काम में इतना व्यस्त रहती है कि, कई जगह मंडी अध्यक्ष ही तैनात नहीं है, इस जिले में भी यही हाल है।

जन का मन

अपने हिंदू ह्रदय सम्राट राष्ट्रीय महामंत्री बनें यह आवाज इनके अपने कहे जाने वाले लोग जितना जोर से लगा रहे हैं उतनी तो घोषित विरोधी नहीं लगा रहे हैं। दावा यह किया जा रहा है कि, यह मानस तो क्षेत्र की जनता का है, और इस क़दर है कि आज इसी मुद्दे पर वोटिंग करा लें तो प्रचंड बहुमत से यही फैसला आएगा कि, हिंदू ह्रदय सम्राट को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया जाए। हिंदू ह्रदय सम्राट को गौर से और पूरी संवेदनशीलता से अपनी विधानसभा पर फोकस करना चाहिए। बाक़ी तो खैर..जो होना है वो हो ही जाएगा।

बबलू भईया ज़िंदाबाद

बबलू भईया ने अभी वह दाँव चल दिया है कि, सब सन्न सपाटे में हैं, और बबलू भईया का जलवा फुल वाल्यूम में है। बबलू भईया अचानक पहुँच गए बैकुंठपुर। भावुक परिवार ने हाथ पकड़ कह दिया आप पर ही इंसाफ के लिए भरोसा है, वर्ना आत्मदाह करना ही बचा है। बबलू भईया के पहले इस घर कोई कांग्रेसी नहीं पहुंचा था। नृशंसता की पराकाष्ठा वाले इस मामले में इस इलाके के क्षत्रपों की अपनी पॉलिटिक्स और अपना गुणा गणित चलता रहा। जबकि तुंरत जाना चाहिए था। बबलू भईया चूके नहीं, और पहुंच गए। इस दौरे ने यह बता दिया कि, इलाक़ा किसी का हो बबलू भईया की फैन फॉलोइंग सबसे ज़्यादा है। लड़ने जुझने का सदा का तेवर और अपना बना लेने का हुनर बबलू भईया की स्थाई पहचान है। अब उनकी पार्टी के विरोधी भुनभुनाते हैं तो भुनभुनाते रहें। इस मसले पर सदन में सरकार को बुरी तरह घेरने का मुकम्मल मामला बबलू भईया को मिल गया है। जाहिर है इसके बाद भईया फेवरेट डेस्टिनेशन अमरकंटक जाकर आम खाते और बढ़िया पूजा पाठ करते। बिलाशक उन्होंने यही किया भी है।

मेयर का एप्लीकेशन और कांग्रेस

सूबे के एक संभाग मुख्यालय में कुछ गजब का नजारा है। यहां हुआ यह है कि, एक ऑडियो क्लिप वायरल की गई, वायरल क्लिप में एक आवाज मेयर की बताई गई। इस कथित ऑडियो क्लिप को भ्रष्टाचार से जोड़ कर प्रचारित प्रसारित किया गया। इसके बाद हुआ ये कि, मेयर मैडम खुद ही आजाक थाने पहुंच गई और रोते हुए बोली कि, ये सब फर्जी है, मैं आदिवासी महिला हूँ इसलिए साज़िश कर रहे हैं। ऑडियो क्लिप की जाँच की जाए और जो लोग वायरल किए हैं और जिन्होंने इसे बनाया है उन पर कानूनी कायर्वाही हो। अब हुआ ये है कि इस आवेदन पर पुलिस ने कुछ किया ही नहीं। कांग्रेसी जो कि इस मुद्दे पर आक्रामक थे वो खुद आजाक थाने पहुंच गए और बोले कि हमारे शहर की प्रथम नागरिक का एफआईआर क्यों नहीं कर रहे हैं तत्काल करिए। कांग्रेस के तेवर देख वहां बैठे साहब यह बोल गए कि, इस आवेदन पर कायर्वाही करने का हमारे आजाक थाने में आधार ही नहीं बनता। कांग्रेसी इसके बाद एसपी को फोन खड़का गए और बोले कि यह क्या मजाक़ है साहब। शहर की प्रथम नागरिक के आवेदन पर एफआईआर नहीं कर रहे हैं आप लोग। एसपी साहब ने क्या जवाब दिया है यह तो पता नहीं लेकिन कांग्रेसी इस तैयारी में हैं कि, पूरा प्रतिनिधिमंडल जाएगा और एसटीआई की मांग करेगा। इस के पीछे सियासत यह है कि, कॉंग्रेस मानती है कि आवेदन पर जाँच होगी तो ऑडियो क्लिप की भी जाँच होगी तो यह स्थापित होगा कि ऑडियो क्लिप सही है। जबकि मेयर अपनी बात पर क़ायम हैं कि ऑडियो क्लिप फर्जी है लेकिन वह खुद यह नहीं समझ पा रही हैं कि आखिर उनके एप्लीकेशन पर एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हो रही है।

संवाद और दृश्य की मर्यादा : सिनेमा, टीवी और वेब सीरीज पर जरूरी विमर्श

राजीव चौबे (फाउंडर राष्ट्रीय चेतना न्यूज)

पिछले सात आठ वर्षों में हिंदी सिनेमा, टीवी धारावाहिक और वेब सीरीज में संवादों और दृश्यों का स्तर लगातार नीचे गया है। अश्लीलता, फूहड़ता, हिंसा और गाली गलौज अब किसी एक फिल्म या सीरीज की बात नहीं रही। यह एक पैटर्न बन चुका है। दर्शक के रूप में हम इसे सामान्य मानने लगे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस गिरावट पर समाज के किसी भी हिस्से से संगठित विमर्श या प्रतिरोध की आवाज सुनाई नहीं दे रही।

सोशल मीडिया पर लव जिहाद, लैंड जिहाद, धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर तीखी बहस होती है। राजनीतिक दलों से लेकर आम नागरिक तक, सब अपनी राय रखते हैं। मगर संस्कृति के स्तर पर जो बदलाव चुपचाप घर घर में प्रवेश कर रहे हैं, उन पर हमारी निगाह कम ही जाती है। सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण कोई नई घटना नहीं है।

भारतीय संस्कृति को नष्ट करने में सबसे बड़ा योगदान ब्रिटिश शासन काल में मैकाले का रहा। थॉमस बैबिंगटन मैकाले 1834 से 1838 मात्र चार वर्षों के लिए भारत में रहा और इस दौरान उसने पूरा भारत भ्रमण किया भारतीय संस्कृति को भरपूर अध्ययन किया और पाया भातीय संस्कृति की जड़ें इतनी मजबूत हैं कि सैकड़ों वर्षों का इस्लामिक शासन इस संस्कृति को नष्ट नहीं कर सका और वो ये भी समझ गया था कि इस संस्कृति को संजोय रखने का सबसे बड़ा आधार भारतीय ज्ञान परंपरा है। अपने अध्ययन में मैकाले ने ये भी पाया की ईस्ट इण्डिया कंपनी की सत्ता को भारत में पहली चुनौती 1770 किसी राजे रजवाड़े रियासत से नहीं बल्कि आनंद मठ के सन्यासियों से मिली थी जो भारतीय ज्ञान परम्परा के अंश थे इसी प्रकार भारत के इतिहास के अध्ययन से उसने जाना की कैसे तक्षशिला के गुरुकुल के एक शिक्षक विष्णुगुप्त चाणक्य ने विश्वविजेता सिकंदर के क्षत्रपों को भारत से उखाड़ फेंका और मगध के शक्तिशाली नन्द वंश को उखाड़ कर मौर्य वंश की स्थापना की पूरे भारत को एक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया। इतना सब जानने के बाद मैकाले ने भविष्य में ब्रिटिश राज्य की स्थापना में सबसे बड़े अवरोध के रूप में अक्षुण भारतीय संस्कृति को देखा तो उसने तय किया यदि भारत पर शासन करना है तो सबसे पहले भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पोषक , भारतीय ज्ञान परंपरा को खत्म करना होगा और इसी वजह से उसने भारत में नयी शिक्षा नीति लागू की। मैकाले की इस शिक्षा नीति ने भारतीय समाज में पाश्चात्य संस्कृति के बीज को बोने का काम किया और धीरे धीरे हमारी संस्कृति को निगलने का काम शुरू हुआ । अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली ने आम भारतीय के मनो मस्तिष्क में पाश्चात्य संस्कृति का बीजा रोपण प्रारम्भ हुआ जो धीमी गति से हमारे अपनी जड़ें फैलता रहा। भारत की स्वतंत्रता के बाद पश्चिमी ताकतों ने सांस्कृतिक युद्ध के लिए सम्प्रेषण के सबसे सशक्त माध्यम सिनेमा को अपना हथियार बनाया

भारत की स्वतंत्रता के बाद सिनेमा संप्रेषण का सबसे ताकतवर माध्यम बना। 60 और 70 के दशक में समानांतर सिनेमा के नाम पर एक खास तरह की फिल्में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गईं। इन फिल्मों में गरीबी, भुखमरी, शोषण और सामाजिक विद्वेष को भारत की एकमात्र पहचान की तरह पेश किया गया। यथार्थ, कला और सत्य के नाम पर दृश्यों और संवादों में मर्यादा का उल्लंघन शुरू हुआ। नग्नता, फूहड़ता और निराशा को कलात्मक अभिव्यक्ति का दर्जा मिला। 70 के दशक में बोया गया यह बीज धीरे धीरे बढ़ा। आज वह एक विशाल वृक्ष बन चुका है जिसकी शाखाओं पर घटिया दृश्य और संवाद वाली फिल्में, धारावाहिक और वेब सीरीज लटक रही हैं।

1990 के आस पास केबल और डिश टीवी के जरिए विदेशी चैनल भारतीय घरों में पहुंचे। इसके साथ ही टीवी धारावाहिकों के माध्यम से पाश्चात्य जीवनशैली, रिश्तों की उलझन और उपभोक्तावाद का प्रचार तेज हुआ। आज इंटरनेट, टेलीविजन और सिनेमा संप्रेषण के सबसे सशक्त माध्यम हैं। इनका असर खासकर मध्यम और निम्न वर्ग पर सबसे अधिक पड़ता है क्योंकि मनोरंजन का सबसे सुलभ साधन यही है।

टीवी धारावाहिकों ने विवाह जैसी संस्था की बुनियाद को लगातार कमजोर किया है। जिस भारतीय संस्कृति में विवाह को सोलह संस्कारों में एक प्रमुख संस्कार माना गया है, जहां इसे जन्म जन्मांतर का बंधन समझा जाता है, वहां अधिकांश धारावाहिकों में शादियों का टूटना, तलाक और नए संबंध बनाना रोज की बात बना दिया गया है। एक स्त्री एक पुरुष के लिए ही नहीं है या एक पुरुष एक स्त्री के लिए ही नहीं है, इस विचार को थंब रूल की तरह नई पीढ़ी के दिमाग में बैठाया जा रहा है। परिणाम सामने है। परिवार न्यायालयों में तलाक के मामलों में द्रुत गति से वृद्धि हो रही है। रिश्तों में धैर्य, समर्पण और संवाद की जगह शक, असुरक्षा और तात्कालिक सुख ने ले ली है।

सिनेमा के लिए सेंसर बोर्ड है। अश्लील दृश्यों, हिंसा और अपशब्दों वाली फिल्मों को ए सर्टिफिकेट देकर 18 वर्ष से कम आयु के दर्शकों का प्रवेश वर्जित किया जाता है। मगर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर यही सामग्री बिना किसी प्रभावी रोकटोक के चौबीसों घंटे उपलब्ध है। घर के टीवी, मोबाइल और टैबलेट पर अबोध बच्चे माता पिता की अनुपस्थिति में कुछ भी देख सकते हैं। वेब सीरीज में कामुक दृश्य, नग्नता, खून खराबा और मां बहन की गालियों का खुला प्रयोग आम हो गया है।

इन दृश्यों और संवादों का बच्चों के कोमल मन पर क्या असर पड़ रहा है, यह मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के लिए गंभीर शोध का विषय है। मगर इतना तय है कि लगातार हिंसा देखने से संवेदनशीलता घटती है। गालियों को बार सुनने से भाषा में असभ्यता सामान्य लगने लगती है। अपराधियों का महिमामंडन देखने से किशोरों में गलत आदर्श बनते हैं। यदि समय रहते इस पर विमर्श नहीं हुआ तो आने वाली पीढ़ी प्रेमचंद, दिनकर, निराला, पंत, प्रसाद, वीर सावरकर या अब्दुल हमीद से प्रेरणा लेने के बजाय मुन्ना त्रिपाठी और गुड्डू पंडित जैसे काल्पनिक अपराधी पात्रों को अपना हीरो मानेगी।

जिस भारतीय संस्कृति को 1000 वर्षों का विदेशी शासन पूरी तरह खत्म नहीं कर सका, उसे पिछले 35 सालों में 32 इंच के एक डिब्बे ने तार तार कर दिया है। मैकाले ने 1834 से 1838 के बीच भारत भ्रमण कर यह समझ लिया था कि इस देश की असली ताकत उसकी ज्ञान परंपरा और संस्कृति है। उसने तय किया कि भारत पर लंबे समय तक शासन करना है तो इस परंपरा को तोड़ना होगा। नई शिक्षा नीति इसी सोच का नतीजा थी। उस नीति ने भारतीय मन में पाश्चात्य श्रेष्ठता का बीज बो दिया। स्वतंत्रता के बाद वही काम सिनेमा और फिर टीवी ने आगे बढ़ाया। अब ओटीटी इस काम को सबसे तेज गति से कर रहा है।

अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस गिरावट के खिलाफ आवाज कौन उठाए। मीडिया जो सत्ता की हर छोटी चूक पर मुखर होता है, वह इस मुद्दे पर चुप क्यों है। विपक्ष जो संसद से सड़क तक हंगामा करता है, वह संस्कृति के सवाल पर मौन क्यों है। बलात्कार पर कैंडल मार्च निकालने वाली समाजसेवी संस्थाएं, हर विषय पर स्याही खर्च करने वाला लेखक वर्ग, धार्मिक और साम्प्रदायिक विषयों पर तत्काल संज्ञान लेने वाली न्यायपालिका, धर्म जागरण के लिए तत्पर कथावाचक और धमर्गुरु, शिक्षक, चिकित्सक, वकील, सेंसर बोर्ड, ये सब कहां हैं।

एक फिल्म में किसी जाति विशेष पर टिप्पणी हो जाए तो उस जाति के लोग थिएटर से सड़क तक प्रदर्शन करते हैं। तोड़फोड़, आगजनी तक हो जाती है। मगर पिछले कुछ सालों से लगभग सभी फिल्मों और खासकर वेब सीरीज में मर्यादाओं के सारे बांध टूट चुके हैं। संप्रेषण का सबसे सशक्त माध्यम निरंकुश होकर हमारी संस्कृति को छेद रहा है। और हम सब तमाशबीन बने हुए हैं।

इस व्यवस्था को नियंत्रित करने के सारे अधिकार केंद्र सरकार के पास हैं। वर्तमान सरकार धर्म और संस्कृति की सबसे बड़ी रक्षक कहलाती है। फिर भी पिछले आठ दस सालों से वह इस अश्लीलता की मूक दर्शक बनी हुई है। सरकार समय पर भारतीय संस्कृति से विमुख न होने के लिए गाइडलाइन जारी करने वाले संगठनों से भी जुड़ी है। मगर इस गंभीर समस्या पर वहां भी बेपरवाही दिखती है।

कुछ वर्ष पहले भारत सरकार ने गूगल पर उपलब्ध पोर्न साइट्स पर अंकुश लगाया था। आज वे साइट्स भारत में सहज उपलब्ध नहीं हैं। जब एक अंतरराष्ट्रीय साइट को नियंत्रित किया जा सकता है तो भारत में बनने वाली वेब सीरीज आपके नियंत्रण से बाहर कैसे हैं। यह प्रश्न कोई नहीं पूछ रहा।

समाधान के लिए व्यापक चिंतन और मंथन जरूरी है। पहला कदम, समस्या को स्वीकार करना है। दूसरा कदम, सरकार और न्यायपालिका के सामने विषय को तथ्यों के साथ रखना है। इसके लिए मीडिया, शिक्षाविद, मनोवैज्ञानिक, अभिभावक, कलाकार और कानून के जानकारों का एक सशक्त समूह बनना चाहिए।

नियमन और रचनात्मकता के बीच संतुलन जरूरी है। सेंसरशिप का मतलब रचनात्मक अभिव्यक्ति को खत्म करना नहीं होना चाहिए। मगर स्वनियमन और जवाबदेही तय करनी होगी। ओटीटी के लिए स्पष्ट आयु वर्गीकरण होना चाहिए। ए सर्टिफिकेट वाली सामग्री तक बच्चों की पहुंच रोकने के लिए पैरेंटल कंट्रोल को अनिवार्य और प्रभावी बनाना होगा। हर एपिसोड से पहले कंटेंट डिस्क्लेमर साफ शब्दों में देना होगा। उल्लंघन पर आर्थिक दंड और लाइसेंस रद्द करने जैसे प्रावधान हों।

निर्माताओं को भी अपना सामाजिक दायित्व समझना होगा। सिर्फ व्यूज और टीआरपी के लिए फूहड़ता परोसना बंद करना होगा। भारतीय समाज की विविधता, उसकी कहानियां, उसके संघर्ष और उसकी जीत को भी तो दिखाया जा सकता है। दर्शक के रूप में हमारी भी जिम्मेदारी है। हम जैसा कंटेंट देखेंगे, वैसा ही कंटेंट बनेगा। रिमोट हमारे हाथ में है। चयन हमें करना है।

संस्कृति कोई स्थिर वस्तु नहीं है। वह समय के साथ बदलती है। बदलाव स्वाभाविक है। मगर बदलाव और विकृति में अंतर होता है। परंपरा को तोड़ना प्रगति नहीं है। मर्यादा को लांघना आधुनिकता नहीं है। संवाद और दृश्य की मर्यादा तय करने का काम केवल सरकार का नहीं है। यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

हमें तय करना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसा समाज देना चाहते हैं। क्या हम ऐसी पीढ़ी चाहते हैं जो रिश्तों को खेल समझे, भाषा में गाली को सामान्य माने, हिंसा को हीरोइज्म समझे। या हम ऐसी पीढ़ी चाहते हैं जो तर्क करे, सवाल उठाए, मगर मर्यादा न भूले।

आज जरूरत इस विषय पर खुली, तार्किक और निरंतर बहस की है। स्कूलों में मीडिया लिटरेसी पढ़ाई जाए। अभिभावक बच्चों के साथ बैठकर कंटेंट देखें और चर्चा करें। लेखक, कलाकार और बुद्धिजीवी वैकल्पिक और स्वस्थ मनोरंजन का मॉडल खड़ा करें। सरकार नियमन का पारदर्शी ढांचा बनाए।

यदि आज हम नहीं संभले तो कल बहुत देर हो जाएगी। तब मुंशी प्रेमचंद की जगह मुन्ना त्रिपाठी और अब्दुल हमीद की जगह गुड्डू पंडित ही हमारे आदर्श होंगे। फिर हम पाकिस्तान और बांग्लादेश से जंग की बात तो कर लेंगे, मगर अपने घर के अंदर चल रही सांस्कृतिक जंग हार चुके होंगे।

इसलिए आइए, मिलकर चिंतन करें। मंथन करें। और इस समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाएं। संवाद और दृश्य की मर्यादा बचेगी, तभी संस्कृति बचेगी। संस्कृति बचेगी, तभी समाज बचेगा।

बेमेतरा के प्रधान पाठक ने दिखाई मानवता, तीन बच्चों की शिक्षा का उठाया जिम्मा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

साजा विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला खपरी धोबी के प्रधान पाठक धनेश रजक ने मानवता की मिसाल पेश की है। उन्होंने आर्थिक और पारिवारिक संकट से जूझ रहे तीन बच्चों की कक्षा 8वीं तक शिक्षा की जिम्मेदारी खुद उठाने का संकल्प लिया। प्रधान पाठक धनेश रजक नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दूसरे दिन बच्चों के घर पहुंचे। परिवार और ग्रामीणों की मौजूदगी में उन्होंने कक्षा 7वीं की महिमा निर्मलकर, कक्षा 5वीं की साक्षी निर्मलकर और कक्षा 2री के धैर्य निर्मलकर को स्कूल बैग, सभी विषयों की कॉपियां, कंपास बॉक्स, पहाड़ा, कलर पेन, पेंसिल, पेन, रबर, कटर, रूमाल और पानी की बोतल सहित जरूरी शैक्षणिक सामग्री भेंट की। ग्राम पंचायत खपरी धोबी के सरपंच गिरधारी निर्मलकर ने कहा कि यह कार्य केवल सहायता नहीं बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। धनेश रजक हमेशा विद्यार्थियों के हित में काम करते हैं। इससे पहले भी वे कई जरूरतमंद बच्चों की मदद कर चुके हैं। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को सामग्री देना, दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहित करना, शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाना और जरूरत पर परिवारों की सहायता करना उनकी पहचान है। प्रधान पाठक धनेश रजक ने कहा कि पिता का साया उठ जाना और परिवार में अभाव बच्चे के भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसे समय में समाज का आगे बढ़ना जरूरी है। यह पहल केवल तीन बच्चों की मदद नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए संदेश है कि जरूरतमंद बच्चों की जिम्मेदारी समाज की भी है।

भारत-यूके बिजनेस डेलिगेशन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व, भिलाई के डॉ. जितेंद्र रहे शामिल

नई दृष्टिबिंदु / लंदन

भारत सरकार एवं एफआईसीसीआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत-यूके बिजनेस डेलिगेशन कार्यक्रम लंदन में संपन्न हुआ। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में हुए इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देशभर के उद्योगपति, उद्यमी, स्टार्टअप प्रतिनिधि और एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ से उद्योग चेम्बर भिलाई के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारी डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ने प्रतिनिधि के रूप में सहभागिता की। वे जेपी इंजीनियरिंग भिलाई के सीईओ भी हैं। उन्होंने कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

एमएसएमई संवाद में रखी बात

कार्यक्रम के दौरान आयोजित बिजनेस प्लेनरी एवं एमएसएमई संवाद सत्र में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने भारत सरकार की उद्योग, निवेश, निर्यात संवर्धन और एमएसएमई विकास संबंधी नीतियों की जानकारी साझा की। मंत्री ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को वैश्विक बाजारों से जोड़ने और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। संवाद सत्र में सभी प्रतिनिधियों को अपना परिचय देने और उद्योग, व्यवसाय व कार्यक्षेत्र की जानकारी देने का अवसर मिला। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच व्यापार, निवेश, तकनीकी सहयोग, उन्नत विनिर्माण, हरित ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्रों में संभावनाओं पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के मुख्य सत्र

भारत-यूके बिजनेस प्लेनरी सत्र, एमएसएमई एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ संवाद, सेक्टर विशेष बैठकों में सहभागिता, यूके के उद्योग जगत और निवेशकों के साथ नेटवर्किंग प्रमुख रही। एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, एआई, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स और शिक्षा क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी बात हुई।

छत्तीसगढ़ के लिए अवसर

डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि यह यात्रा केवल प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रम नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के एमएसएमई और विनिर्माण क्षेत्र के लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोलने वाला मंच है। इस दौरान बने संपर्क और प्राप्त अनुभव प्रदेश के औद्योगिक विकास में सहायक होंगे। उन्होंने भारत सरकार, एफआईसीसीआई, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और सभी सहयोगियों का आभार जताया। कहा कि वे इस यात्रा से मिले अनुभवों को प्रदेश के उद्यमियों तक पहुंचाएंगे और स्थानीय उद्योगों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का प्रयास करेंगे। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

चाय-पराठे का शौक बिगाड़ सकता है आपकी सेहत

कई लोग सुबह नाश्ते में चाय- पराठे का सेवन करते हैं। अगर आप भी ऐसा करती हैं तो अभी से अपनी आदत बदल लें।

सुबह का ब्रेकफास्ट हमारे लिए काफी ज्यादा जरूरी होता है। कई लोग सुबह का ब्रेकफास्ट ही गलत करते हैं। ऐसा करने से बाद में हमें काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। वर्क प्रेशर के कारण भी हम ज्यादा मेहनत नही करते है। जो सबसे आसान होता है बनाना उसे बनाते हैं और उसे खाकर चले जाते हैं।

कई लोग सुबह- सुबह जल्दबाजी में आकर चाय- पराठे बनाते हैं। चाय- पराठे बनाने में केवल 10 मिनट लगता है। ऐसे में आप भी केवल चाय- पराठे का सेवन करती हैं तो आपको अभी से अपनी इस आदत को बदल लेना चाहिए। ऐसा हम नही बल्कि हमारे एक्सपर्ट डॉक्टर योगेश ने हमसे इन बातों को शेयर किया है। डॉक्टर योगेश पटना के हृस्ष्ट॥ में काम करते हैं। चलिए जानते हैं एक्सपर्ट ने क्या कहा है।

डायबिटीज का रखें ख्याल

एक्सपर्ट का कहना है कि ज्यादा चाय-पराठे खाने के कारण डायबिटीज की भी समस्या हो सकती हैं। कई बार इस वजह से भी शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ सकती है। ऐसे में अगर आप भी चाय-पराठे का सेवन करती हैं तो आपको इसका सेवन करना बंद कर देना चाहिए।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर खाली पेट में खाने से काफी नुकसान होता है। चाय और परांठे में मौजूद फैट और तेल आपके शरीर में ब्लड प्रेशर बढ़ाने का काम कर सकते हैं। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी आपको हो सकती हैं।

लिवर में हो सकता है नुकसान

चाय और परांठे का एक साथ सेवन काफी घातक साबित हो सकता है। पराठे को पचने में काफी ज्यादा समय लगता है। परांठा बहुत ऑयली होता है और इसमें सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है। ऐसे में यह आपके लिवर को आसानी से खराब कर सकता है। यह आपके पाचन तंत्र के लिए काफी खराब होता है।

इस आर्टिकल के बारे में अपनी राय भी आप हमें कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

" ऐसा माना जाता है कि दोनों हाथों की हथेलियों में तीर्थ स्थान होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि हमारे हाथों की चार अंगुलियों के अग्रभाग में देवतीर्थ होते हैं। तर्जनी के मूल भाग में पितृ अर्थ, कनिष्ठिका के मूल भाग में प्रजापति अर्थ और अंगूठे के मूल भाग मेंब्रह्मतीर्थ का निवास होता है और यदि आप प्रातः काल हथेलियों के दर्शन करते हैं तो आपको सभी तीर्थों के दर्शन के बराबर फल मिलता है। "

सुबह उठते ही करें अपनी हथेली के दर्शन, मिलेंगे ज्योतिषीय लाभ

आपने अक्सर लोगों को कहते हुए सुना होगा कि सुबह उठकर अपनी हथेली के दर्शन जरूर करें और फिर नए काम की शुरुआत करें। आइए जानें इसके फायदों के बारे में। सुबह का समय बहुत ही शक्तिशाली माना जाता है। इस समय में हमेशा ऐसे काम करने की सलाह दी जाती है जिनसे आपको सकारात्मक ऊर्जा मिले। अगर आप दिन की शुरुआत ही अच्छे कामों से करते हैं तो पूरा दिन अच्छा बीतता है।

हर वो काम जिससे आपको ऊर्जा मिल वो आपके लिए सुबह करना ही अच्छा माना जाता है। इसी सकारात्मकता को बनाए रखने और मन में नई आशा और उत्साह जगाने के लिए हमारे शास्त्रों में एक बात कही गई है कि आपको उठते ही अपनी हथेली में बनी रेखाओं के दर्शन जरूर करने चाहिए क्योंकि इसे आपके भाग्य से जोड़कर देखा जाता है।

ऐसा माना जाता है कि आंख खुलते ही अगर सबसे पहले आपकी हथेलियों के दर्शन हो जाएं तो यह व्यक्ति के दुर्भाग्य को भी सौभाग्य में बदला जा सकता है। आइए नारद संचार के ज्योतिष अनिल जैन जी से जानें इससे जुड़ी मान्यताओं और इसके फायदों के बारे में कुछ बातें।

क्या है धार्मिक मान्यता

शास्त्रों में कहा गया है कि %कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती, करमूले तु गोविन्द: प्रभाते करदर्शनम% अर्थात मेरे हाथों के अग्र भाग में धन की देवी माता लक्ष्मी का वास है, मध्य में बुद्धि की देवी मां सरस्वती का वास है और गोविन्द अर्थात भगवान विष्णु मूल में निवास करते हैं, इसलिए इन सभी के एक साथ प्रात: काल दर्शन करने की सलाह दी जाती है।

चूंकि देवी लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है और मां सरस्वती को ज्ञान की देवी इसलिए यदि आप प्रात: अपनी हथेली के दर्शन करते हैं तो आपके जीवन में सभी देवताओं का आशीष बना रहता है।

हथेलियों में होता है भगवान विष्णु का निवास

यदि आप प्रात: काल हथेलियों के दर्शन करते हैं तो हाथों में पालनहार भगवान विष्णु का वास होने की वजह से उनकी भी कृपा दृष्टि बनी रहती है। ऐसा माना जाता है कि जब आप हथेलियों के दर्शन करते हैं तो आप एक तरह से ईश्वर के दर्शन कर लेते हैं। भगवान विष्णु जगत के पालनहार हैं, इसलिए जो व्यक्ति सुबह हथेली में विष्णु जी का ध्यान करते है उसे इन तीनों की कृपा प्राप्त होती है।

हथेलियों में तीर्थ स्थान भी माना जाता है

ऐसा माना जाता है कि दोनों हाथों की हथेलियों में तीर्थ स्थान होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि हमारे हाथों की चार अंगुलियों के अग्रभाग में देवतीर्थ होते हैं। तर्जनी के मूल भाग में पितृ अर्थ, कनिष्ठिका के मूल भाग में प्रजापति अर्थ और अंगूठे के मूल भाग में ब्रह्मतीर्थ का निवास होता है और यदि आप प्रात: काल हथेलियों के दर्शन करते हैं तो आपको सभी तीर्थों के दर्शन के बराबर फल मिलता है।दाहिने हाथ के मध्य में अग्नि तीर्थ और बाएं हाथ के मध्य में सोमतीर्थ तथा सभी अंगुलियों के पोर और जोड़ों में ॠषि तीर्थ होते हैं। इस प्रकार जब हम प्रात्काल उठकर अपनी हथेलियों के दर्शन करते हैं तो हमें भगवान के साथ-साथ ये तीर्थ भी देखने को मिलते हैं।

हस्त दर्शन कर्मों पर विश्वास का प्रतीक

अगर आप व्यावहारिक नजरिए से देखते हैं तो हम अपना हर एक काम हथेली से ही करते हैं। यदि आप सुबह हथेली के दर्शन करते हैं तो इसका मतलब ये हुआ कि आप अपने कर्मों पर विश्वास करते हैं।

चर्बी से परेशान हैं तो करें ये आसन

आज के समय में अधिकांश बीमारियां हमारे बढ़ते वजन और ख़राब डाइजेशन की वजह से हो रही है और हर दूसरा व्यक्ति पेट की बीमारियों की वजह से परेशान है। आज के समय में अधिकतर सभी व्यक्तियों ने अपने बिजी शेड्यूल और ऑफिस के वर्क लोड की वजह से खुद पर समय देना बंद कर दिया है। जिसकी वजह से उन्हें अनगिनत बीमारियों का शिकार होना पड़ रहा है।

खाने-पीने में सैक्रिफाइस करना शुरू कर दिया है। प्रोटीन युक्त आहार लेने की जगह वो क्विक रेसिपी की तरफ अधिक रुचि लेने लगे हैं जैसे मैगी, पास्ता जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है और न ही कोई वर्कआउट कर पाते हैं। ऐसे में पेट की समस्या होना लाजमी है और अगर डाइजेशन सही नहीं होगा तो पेट बाहर आएगा। अगर आप भी अपने पेट की बढ़ती हुई चर्बी से परेशान हैं तो ये लेख आपकी मदद करेगा।

ताड़ासन: पेट की चर्बी कम करने के लिए योगासन के रूप में ताड़ासन का अभ्यास करना, एक बेहतरीन शुरुआत हो सकती है। इसे करने से पूरे शरीर में खिंचाव महसूस होता है। साथ ही रक्त का प्रवाह बेहतर हो सकता है। ताड़ासन का अभ्यास पेट की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। साथ ही मोटापा कम करने के अलावा इसे लंबाई बढ़ाने के लिए भी किया जाता है।

पार्श्वकोणासन: पार्श्व का मतलब बगल होता है। यह योग करते समय शरीर पार्श्व की मुद्रा बनाता है, इसलिए यह पार्श्वकोणासन कहलाता है। इसे नियमित रूप से करने से कई शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। एक शोध में जिक्र मिलता है कि पार्श्वकोणासन का अभ्यास कूल्हे और जांघ की चर्बी को कम करने में मदद करता है।

त्रिकोणासन: पेट कम करने वाले योगासन में इसे बेहतर माना जाता है। इस आसन को करते समय शरीर त्रिकोण जैसी मुद्रा में आ जाता है, इसलिए इसे त्रिकोणासन कहते हैं। त्रिकोण का अर्थ होता है तीन कोण वाला और आसन का अर्थ मुद्रा से होता है। कई योग पर हुए रिसर्च में पाया गया कि अन्य योगासन के साथ ही त्रिकोणासन का अभ्यास पेट की चर्बी को कम करने में मददगार हो सकता है। इसके साथ ही यह आसन कमर के किनारे की चर्बी को कम करने में भी मदद कर सकता है।

अर्धचक्रासन: पेट कम करने के योगासन की श्रेणी में यह भी खड़े होकर किया जाने वाला योग है। संस्कृत में अर्थ का मतलब होता है आधा और चक्र का मतलब पहिए से होता है। यह आसन करते हुए शरीर की मुद्रा आधे पहिए जैसी नजर आती है, इसलिए यह अर्धचक्रासन कहलाता है। पेट की चर्बी कम करने के योगासन के रूप में इसे कर सकते हैं। इस योग को करने से करने से पेट पर दबाव बनता है और इससे पेट की चर्बी धीरे-धीरे कम हो जाती है।

मलासन: इस योग को करने से पेट और कमर की मांसपेशियों में खिंचाव आता है। इसे नियमित करने से गैस और कब्ज की परेशानी से निजात मिलती है। पेट के दर्द से आराम मिलने के साथ-साथ पेट की चर्बी भी खत्म होती है। मसलन से घुटनों, जोड़ों, पीठ और पेट का तनाव खत्म होता है और दर्द भी कम होता है। शुरुआत में आप इस आसन को उतना ही करें, जितना आपसे किया जा सके।

बच्चों के लड़ाई-झगड़े से हो गई हैं परेशान तो इन तरीकों को अपनाएं

वैसे तो हर घर में बच्चे बेहद शरारती और नादान होते हैं। लेकिन जब उनकी शरारत जरूरत से ज्यादा बढ़ जाती है तो वह लड़ाई झगड़े का रूप ले लेती है। अगर आपके घर में भी बच्चे बहुत ज्यादा लड़ाई करते हैं तो आपको बचपन में ही इस आदत पर रोक लगा देनी चाहिए। इसके लिए आज हम आपको कुछ सिंपल टिप्स बताएंगे जिससे आप अपने बच्चों को लड़ाई-झगड़े करने से रोक सकती हैं।

बच्चों को शांति से समझाएं

अगर आप अपने बच्चों को बहुत अधिक डांटती हैं तो यह तरीका आपको तुरंत बंद कर देना चाहिए क्योंकि फिर बच्चों को आपकी डांट से डर लगना बंद हो जाएगा और आपकी डांट का असर भी उनके ऊपर नहीं होगा। बच्चों को शांति से यह समझाएं कि उन्हें अपने भाई-बहन से लड़ाई नहीं करनी चाहिए।

एक-साथ काम करना सिखाएं

अपने बच्चे को अगर आप एक-साथ काम करना सिखाएंगी तो उनमें प्यार बढ़ेगा और बच्चों की आपस में लड़ाई भी नहीं होगी। एक-साथ काम करने से वह एक-दूसरे को बेहतर तरह से समझ पाएंगे और इससे उनकी लड़ाई भी कम होगी।

बीच में ना आएं

अपने बच्चों का बीच-बचाव करना कभी-कभी तो अच्छा लगता है लेकिन हर बार सही नहीं है। ऐसे में बच्चे ना केवल आपके ऊपर निर्भर हो जाएंगे बल्कि वे हर बार लड़ाई होने पर आप को ही बुलाएंगे। ऐसा करने से बच्चों का आत्मविश्वास भी कम होता है। इससे अलग यदि लड़ाई भाई-बहन में हुई है और अगर आपने कि सामने वाले का पक्ष लिया ऐसा करने से बच्चों के मन में ईर्ष्या की भावना पैदा हो जाती है।

बच्चों को सही संगत में रखें

आप बच्चे को घर में कई अच्छी आदतें सिखा लें लेकिन अगर उसकी दोस्ती झगड़ालू बच्चों से होगी तो आपका बच्चा भी लड़ाई करना ही सीखेगा। इसलिये अगर अपने बच्चों को लड़ाई-झगड़े से बचाना चाहती हैं तो उसकी दोस्ती किन बच्चों से है इसको भी जरूर याद रखें।

बच्चों को साथ में रहने दें

बच्चे अगर साथ में सही से समय बिताएंगे तो उनकी नॉलेज बढ़ेगी और बच्चों को अच्छे से एक-दूसरे के बारे में पता चलेगा। आप अपने बच्चों को साथ में खेलने और पढ़ने के लिए प्रेरित कर सकती हैं इससे उनकी बॉन्डिंग स्ट्रांग होगी और रिश्ते में भी सुधार होगा।

अपने आप को भी सुधारें

आपको अपने बच्चों की लड़ाई से पहले खुद अपनी लड़ाई और झगड़े को कम करना चाहिए। बच्चे अपने बड़ों से देखकर ही सब सीखते हैं इसके साथ-साथ आपको बच्चों की लड़ाई के मुद्दों को भी जानना चाहिए। इससे आपको यह पता चलेगा कि बच्चों की लड़ाई आखिर किन बातों पर सबसे ज्यादा होती है और किन बातों को सुनकर आपके बच्चे आक्रामक व्यवहार करते हैं। इससे आप उनके बीच की लड़ाई और झगड़ों को कम करा पाएंगी।

समय बिताएं

कई बार माता-पिता अपने बच्चों के साथ सही से समय नहीं बिताते हैं और इससे उन्हें यह नहीं पता चलता है कि उनके बच्चे किस प्रकार से अपने काम को करते हैं और दूसरों के साथ व्यवहार कैसा रखते हैं।(इन टिप्स को अपनाकर बच्चों को ऑनलाइन सिखाएं नई चीजें) अगर आप उनके साथ समय बिताएंगी तो यह भी जान पाएंगी कि आपके बच्चे किस प्रकार से एक-दूसरे से बात करते हैं और बच्चों में लड़ाई-झगड़ा क्यों अधिक होता है।

मदद करना सिखाएं

आपको अपने बच्चों को यह भी सिखाना चाहिए कि उन्हें एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए और एक-दूसरे का जरूरत के समय साथ देना चाहिए। अगर आप यह बात अपने बच्चों को समझाती हैं तो इससे वह आपस में प्रेम रखेंगे और लड़ाई कम करेंगे।

अगर आपको यह स्टोरी अच्छी लगी हो तो कमेंट करके बताएं साथ ही फेसबुक पर जरूर शेयर करें और इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

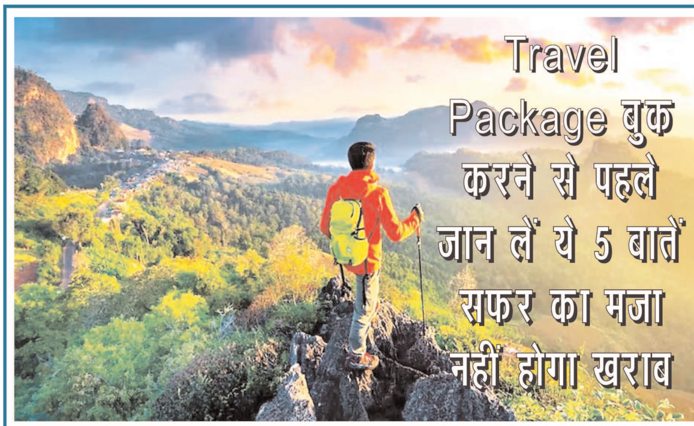

Travel Package बुक करने से पहले जान लें ये 5 बातें सफर का मजा नहीं होगा खराब

ट्रैवल पैकेज बुक करते वक्त एजेंट से जान लें कि आपको सफर में क्या-क्या डॉक्यूमेंट्स कैरी करने होंगे। चूंकि कई जगहों पर घूमने के लिए कुछ खास डॉक्यूमेंट्स जैसे फोटो, पहचान पत्र, मेडिकल सर्टिफिकेट आदि चाहिए होते हैं।

ट्रैवल करते समय कई चीजों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। एक बेस्ट और यादगार ट्रिप सबकी चाहत होती है, लेकिन इसे प्लान करना एक डिफिकल्ट टास्क होता है। ऐसे में अगर आप बिगनर हैं या किसी नई जगह को एक्सप्लोर करने का सोच रहे हैं तो ट्रैवल पैकेज एक बढ़िया ऑप्शन साबित हो सकता है। इसे बुक करने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान भी रखना पड़ेगा। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कुछ ऐसे टिप्स जिन्हें फॉलो करके आप ट्रैवल पैकेज बुक करने के दौरान होने वाली गलतियों से बच सकते हैं।

डेस्टिनेशन्स की लें जानकारी

ट्रैवल एजेंट से डेस्टिनेशन्स के बारे में पूरी जानकारी लें। कहां-कहां आप घूमेंगे, एन्ट्री फीस के अलावा या उसे शामिल करके कितना खर्च आएगा, यह जान लें। एक जगह से दूसरी जगह जाने में कितना समय लगेगा, इन सब चीजों का ओवरव्यू लेने के बाद ही पेमेंट के लिए आगे बढ़ें।

हिडन चार्जेज कंफर्म कर लें

कई बार ऐसा होता है कि आप बिना हिडन चार्जेज जानें ट्रैवल पैकेज बुक कर लेते हैं। ऐसे में आगे चलकर बजट बिगड़ने का डर रहता है। इसलिए बाद में अचानक से एक्सट्रा चार्जेज देने को मजबूर होने से बेहतर है कि पहले ही इनके बारे में एजेंट से पूछ लें।

फैसिलिटीज जान लें

इस बारे में भी जान लें कि आपको ट्रिप में क्या-क्या फैसिलिटीज मिलेंगी। ठहरने के लिए होटल से लेकर ट्रांसपोर्ट में कितनी कीमत लगेगी, जान लें कि यह सब ट्रैवल पैकेज का हिस्सा है या नहीं। ये चीजें जानने के बाद बाकि ऑप्शन्स की भी जानकारी ले लें।

डॉक्यूमेंट्स के बारे में पूछें

ट्रैवल पैकेज बुक करते वक्त एजेंट से जान लें कि आपको सफर में क्या-क्या डॉक्यूमेंट्स कैरी करने होंगे। चूंकि कई जगहों पर घूमने के लिए कुछ खास डॉक्यूमेंट्स जैसे फोटो, पहचान पत्र, मेडिकल सर्टिफिकेट आदि चाहिए होते हैं। ऐसे में इन्हें पहले से ही पता करके अपने पास तैयार रख लें।

कैंसिलेशन पॉलिसी जान लें

पेमेंट करने से पहले इस बारे में जान लें कि पैकेज में कुछ चेंजेज करने या उसे कैंसिल करने के क्या कुछ विकल्प मौजूद हैं। ट्रैवल एजेंट से पहले ही पूछ लें कि ट्रिप कैंसिल करने के बाद कितना रिफंड मिल सकेगा और कबतक मिल सकेगा या क्या वह राशि आगे की बुकिंग में एडजस्ट की जाएगी या नहीं।

‘टॉक्सिक’ का 9 मिनट का कट देखकर दंग रह गईं हुमा, बोलीं- यश ने खुद को पीछे छोड़ दिया

पैन इंडिया स्टार यश आने वाली फिल्म ‘टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स’ इस समय काफी चर्चा में है। एक्ट्रेस हुमा कुरैशी भी इस फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म से पहले एक्ट्रेस की फिल्म बेबी- डू डाइ डू भी रिलीज के तैयार है। जिसके लिए हुमा इन दिनों जोरों शोरो से प्रमोशन में लगी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने ‘टॉक्सिक’ से जुड़ी जानकारी देते हुए बताया कि वो फिल्म की 9 मिनट की क्लिप देख चुकी हैं और यश का काम सच में सराहनीय है।एबीपी के साथ बातचीत में हुमा ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने ‘टॉक्सिक’ का करीब 9 मिनट का कट देखा है। उन्होंने बताया कि फिल्म के विजुअल्स ने उन्हें पूरी तरह हैरान कर दिया और यह अनुभव उनके लिए अब तक देखी गई किसी भी चीज से बिल्कुल अलग था।केजीएफ एक्टर यश के साथ काम करने अनुभव पर बात करते हुए हुमा ने कहा, ‘मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि इस फिल्म में यश के साथ काम करने के बाद मैं उनकी पहले से भी बड़ी फैन बन गई हूं। पहले मुझे लगता था कि वह एक बड़े स्टार हैं और उनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। लेकिन जब आप किसी को करीब से काम करते देखते हैं और उसके जुनून को महसूस करते हैं, तो बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मैंने यश से काफी कुछ सीखा है।’यश के काम और कला की तारीफ करते हुए एक्ट्रेस ना बताया कि ‘यश ने इस फिल्म में खुद को भी पीछे छोड़ दिया है। मुझे पूरा यकीन है कि ‘टॉक्सिक’ उनके फैंस के लिए अब तक का सबसे बड़ा तोहफा साबित होगी। हम फिलहाल इतना ही कह सकते हैं कि जब भी यह फिल्म रिलीज होगी, और वह जल्द ही होगी, तो यह दर्शकों को पूरी तरह हैरान कर देगी।’फिल्म की रिलीज डेट बार बार बदलता देख फैंस परेशान थे कि आखिर ये फिल्म कब सिनेमाघरों में देखने मिलेगी। पहले ये फिल्म ‘टॉक्सिक’ 19 मार्च में रिलीज होने वाली थी लेकिन धुरंधर 2 से मुकाबला होता देख मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा कर 19 अप्रैल कर दिया गया। उनके बाद 4 जून तारीख सामने आई और फाइनली फिलनली मेकर्स ने साफ कर दिया था कि ‘टॉक्सिक’ 26 अगस्त से सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्मी अंदाज से शुरू हुई थी आकांक्षा और गौरव की लव स्टोरी

लॉक अप सीजन 2 प्रीमियर एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला ने खुलासा किया कि वो और गौरव खन्ना अलग होने जा रहे हैं. ये वहां मौजूद सभी लोगों और ऑडियंस के लिए भी काफी शॉकिंग खबर थी. दोनों की लव स्टोरी काफी फिल्मी है. गौरव खन्ना एक ऑडिशन के दौरान आकांक्षा चमोला से मिले थे. आकांक्षा चमोला ने गौरव खन्ना संग डाइवोर्स का खुलासा करके सभी को हैरान कर दिया है. इससे भी ज्यादा शॉक कर देने वाली चीज ये थी कि उन्होंने बताया दोनों 1 साल से अलग रह रहे हैं, जबकि ‘बिग बॉस 19’ में कपल के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री दिखी थी और उन्होंने एनिवर्सरी भी सेलिब्रेट की थी. इसके बाद भी दोनों अब तक होने वाले सभी सोशल इवेंट्स में साथ ही नजर आए हैं. दोनों का तलाक लेना तो हैरान कर ही रहा है. कपल की लव स्टोरी भी उतनी ही दिलचस्प है. गौरव खन्ना 44 साल के हैं, तो वहीं आकांक्षा चमोला 35 साल की हैं यानी वो एक्टर से लगभग 9 साल छोटी हैं. इसके बावजूद उनके बीच जबरदस्त बॉन्ड दिखाई देता है.सोशल मीडिया पर भी साथ में मजेदार पोस्ट शेयर करते रहते हैं. तो चलिए जान लेते हैं कैसे शुरू हुई गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की लव स्टोरी.आकांक्षा चमोला और गौरव खन्ना की पहली मुलाकात एक ऑडिशन के दौरान हुई थी. गौरव खन्ना को पहली नजर में ही आकांक्षा चमोला से प्यार हो गया था और उन्होंने इंडस्ट्री में नया होने का ड्रामा करते हुए उनसे बात शुरू की. इसके बाद आकांक्षा चमोला ने गौरव खन्ना को एक्टिंग के कुछ टिप्स दिए और फिर एक्टर ने उन्हें लिफ्ट दी. एक्ट्रेस जल्दी ही समझ गईं कि गौरव खन्ना पहले से ही एक्टर हैं. इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हो गई.दोनों के बीच गहरी दोस्ती के बाद उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया और कुछ टाइम के बाद गौरव खन्ना ने आकांक्षा को ढेर सारे गुब्बारों के साथ रोमांटिक अंदाज में प्रपोज किया. इसके बाद कपल ने 23 नवंबर 2016 में कानपुर (गौरव खन्ना का होम टाउन) में शादी कर ली।

प्राइम वीडियो के नए रिएलिटी शो %अलायंस% का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है. इस शो में भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन ने अपनी बेटी रीवा किशन के साथ एंट्री मारकर फैंस को बड़ा सरप्राइज दे दिया है. कुणाल खेमू की होस्टिंग वाले इस शो में 26 जून से भरोसे और धोखे का एक ऐसा हाई-टेक खेल शुरू होने जा रहा है, जहां करीबी दोस्त ही सबसे बड़े दुश्मन बनेंगे. एंटरटेनमेंट के साथ-साथ राजनीति के मंच पर अपना कमाल दिखाने वाले अभिनेता रवि किशन अब ओटीटी की दुनिया में एक नए और अनोखे अवतार में नजर आने वाले हैं. खास बात ये है कि इस बार वो अकेले नहीं, बल्कि उनकी लाडली बेटी रीवा किशन भी इस सफर में उनके कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए तैयार हैं. दरअसल, प्राइम वीडियो के रिएलिटी शो ‘अलायंस’ का धमाकेदार ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है और अपने पापा रवि किशन के साथ रीवा किशन इसी शो में शामिल होने जा रही हैं. ‘अलायंस’ को बॉलीवुड एक्टर कुणाल खेमू होस्ट कर रहे हैं, कुणाल इस शो के जरिए बतौर होस्ट अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं. बानीजे एशिया के बैनर तले बने इस शो का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है. रवि किशन को हिंदी, भोजपुरी और रीजनल सिनेमा में उनके बेहतरीन काम और कड़क अंदाज के लिए जाना जाता है. वहीं उनकी बेटी रीवा किशन भी एक एक्ट्रेस, मॉडल और डिजिटल पर्सनैलिटी के तौर पर अपनी पहचान बना रही हैं. ‘अलायंस’ के मंच पर रवि किशन और रीवा किशन ‘एलाइज’ के रूप में एंट्री ले रहे हैं. सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों की बॉन्डिंग और उनके बीच की ट्यूनिंग साफ दिखाई देती है. लेकिन इस शो का नियम ही कुछ ऐसा है कि यहां एंट्री तो साथ में मिलेगी, पर टिके रहने के लिए अपनों से ही भिड़ना पड़ सकता है. शो के होस्ट कुणाल खेमू का मानना है कि ये रिएलिटी शो अब तक के बाकी शोज़ से बिल्कुल अलग और हटके होने वाला है. उन्होंने कहा कि ‘अलायंस’ में सिर्फ टास्क जीतना ही काफी नहीं है, बल्कि यहां हर पल बदलते रिश्तों, मुश्किल फैसलों और बदलते हालातों के हिसाब से खुद को ढालना होगा. कुणाल खेमू अपनी खास कॉमिक टाइमिंग, हाजिरजवाबी और चुलबुले अंदाज से इस खेल को और भी मजेदार बनाते हुए दिखेंगे.यहां पूरा खेल एक बेहद आलीशान लेकिन हाई-टेक अंडरग्राउंड सीक्रेट फैसिलिटी (गुप्त बंकर) में खेला जाएगा. शो में मनोरंजन और सोशल मीडिया की दुनिया से कुल 8 जोड़ियां (16 कंटेस्टेंट्स) हिस्सा ले रही हैं. रवि किशन और रीवा के अलावा इस शो में टीवी एक्टर कुशाल टंडन और अर्सलान गोनी, कोरियोग्राफर जैद दरबार और डेज़ी शाह, मशहूर होस्ट मिनी माथुर और निखिल चिनापा, नीति टेलर और रूही दोसानी, गेमिंग क्रिएटर वंशज सिंह और डॉली जावेद, पायल धारे (पायल गेमिंग) और सबी सूरी के साथ-साथ डेलबार आर्या और अरमान खेरा जैसी जोड़ियां एक-दूसरे को टक्कर देती नजर आएंगी।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ फिल्म देखने पहुंची श्रद्धा

श्रद्धा कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म ईठा को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच वह अपने कथित बॉयफ्रेंड के साथ नजर आई हैं। वह अक्षय कुमार की फिल्म देख रही थीं। श्रद्धा कपूर और उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड राहुल मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वह एक-साथ सिनेमाघरों में नजर आए हैं। सिनेमा हॉल के अंदर का एक वायरल वीडियो सामने आया है जिसमें श्रद्धा %वेलकम टू द जंगल% की स्क्रीनिंग के दौरान हंसती हुई नजर आ रही हैं। राहुल उनके ठीक बगल में बैठे हैं। वीडियो ने फैंस और इंटरनेट पर हलचल मचा दी है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह वीडियो चुपके से एक साथी दर्शक ने रिकॉर्ड किया था। इसमें श्रद्धा कपूर अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म %वेलकम टू द जंगल का भरपूर मजा लेती दिख रही हैं। राहुल मोदी उनके बगल में बैठे फिल्म देखते हुए नजर आ रहे हैं। जिस फैन ने यह क्लिप शेयर की उसने लिखा, भारत की नेशनल क्रश श्रद्धा कपूर के साथ वेलकम टू द जंगल देख रहा हूं।% यह पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो गया।श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के बीच रिश्ते की चर्चा 2024 की शुरुआत से ही हो रही है। उन्हें पहली बार मुंबई में एक साथ एक रेस्टोरेंट से निकलते हुए देखा गया था। तब से, दोनों कई इवेंट्स में एक साथ नजर आए हैं। पिछले साल, श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ एक प्यारी सी सेल्फी पोस्ट की थी। इस तस्वीर में उन्होंने प्यार से राहुल का हाथ पकड़ा था। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा था दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार। इसके बाद उनके रोमांस की अफवाहों को और हवा मिली।

प्रोमो में दिखे पर फिल्म से गायब!

वेलकम टू द जंगल को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। फिल्म के अनाउंसमेंट वीडियो में कई कलाकार नजर आए थे। मगर रिलीज के बाद फिल्म में ये कलाकार नजर नहीं आए हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

अक्षय कुमार समेत कई कलाकारों की अदाकारी से सजी फिल्म वेलकम टू द जंगल कल यानी 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। दर्शक इसे प्यार दे रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर यह अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म में जहां बहुत बड़ी स्टारकास्ट है, वहीं कुछ ऐसे भी कलाकार हैं जिनको इसमें लिया जाना था मगर इन्हें नहीं लिया गया। आइए इनके बारे में जानते हैं।फिल्म वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार के एलावा सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन और फरीदा जलाल हैं। दर्शक सभी कलाकारों की अदाकारी और उनके काम की तारीफ कर रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स ने जब फिल्म वेलकम टू द जंगल का अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया था, तो उसमें कई दूसरे कलाकार भी नजर आए थे। मगर फिल्म में उन कलाकारों को नहीं लिया गया। इन कलाकारों में संजय दत्त, मीका सिंह, राहुल देव, इनामुल हक और शारिब हाश्मी शामिल हैं। मेकर्स ने यह नहीं बताया है कि इन कलाकारों को फिल्म में क्यों नहीं लिया गया है।अहमद खान के निर्देशन में बनी फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्माता फिरोज ए नाडियाडवाला, वेदांत विकास बाली और राकेश डांग हैं।

खाना बनाना-सफाई करना सिर्फ महिलाओं का काम है...? प्रियंका चोपड़ा ने उठाए सवाल

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में लैंगिक भूमिकाओं और घरेलू कामों को लेकर सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी है। कान लायंस इवेंट में बात करते हुए उन्होंने इस पुरानी सोच को कड़ी चुनौती दी कि खाना बनाना, सफाई करना और घर संभालना सिर्फ महिलाओं की जिम्मेदारी है। प्रियंका ने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा, सफाई और खाना बनाना औरतों का काम नहीं है, बल्कि ये वयस्क होने के बुनियादी कर्तव्य हैं। अपने आलस को किसी लिंग या जेंडर के पीछे मत छिपाइए। आइए जानें, लिंगभेद पर प्रियंका चोपड़ा ने क्या कुछ कहा? प्रियंका के इस बयान ने उन लोगों के दिलों को छू लिया है जो दुनिया भर के घरों में घरेलू कामों के असमान वितरण पर लंबे समय से आवाज उठा रहे हैं। उनका मानना है कि ये बेसिक लाइफ स्किल्स हैं, जिन्हें हर किसी को सीखना चाहिए, चाहे वह पुरुष हो या महिला। इस कमेंट पर इंटरनेट पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं, जहां एक तरफ फैंस समानता के लिए उनके इस आधुनिक दृष्टिकोण की सराहना कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग घरेलू कामों के पारंपरिक तौर-तरीकों को लेकर सवाल भी उठा रहे हैं।

बॉलीवुड छोड़ने पर खुलकर की बात

प्रियंका चोपड़ा ने अतीत में बॉलीवुड छोड़ने के अपने फैसले पर भी खुलकर बात की। उन्होंने साफ किया कि वे ऐसी जगहों पर समय बर्बाद नहीं करना चाहतीं जहां वे खुश न हों। एक गहरा मैसेज देते हुए उन्होंने कहा, 卐मैं वो इंसान हूं जिसे गंदगी में रहना बिल्कुल पसंद नहीं है, क्योंकि अगर आप लंबे समय तक वहां रहते हैं, तो फिर आपको उसकी बदबू की आदत हो जाती है।卐 उनका यह बयान उनके स्वाभिमान और जीवन में सही माहौल को चुनने की उनकी प्राथमिकता को दिखाता है।

सिनेमा के बदलते रूप पर विचार

मनोरंजन जगत में आए बदलावों पर प्रकाश डालते हुए प्रियंका ने फिल्म निर्माण में तकनीक की भूमिका को सराहा। उन्होंने याद किया कि पहले फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री करना कितना कठिन था और लोगों को पहले से ही अपने विभाग तय करने पड़ते थे। आज के दौर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि इंडिपेंडेंट क्रिएटर्स के लिए रास्ते आसान हो गए हैं। अगर आपके पास कोई बेहतरीन विचार है, तो आप उसे शूट करके यूट्यूब पर डाल सकते हैं। उन्होंने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म %ऑब्सेशन% का उदाहरण देते हुए कहा कि आज तकनीक की वजह से कोई भी टैलेंटेड व्यक्ति आगे बढ़ सकता है।

एंजेलीना जोली संग अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

ग्लोबल लेवल पर हलचल तब और बढ़ गई जब प्रियंका ने फॉर्च्यून इंडिया को दिए इंटरव्यू में पुष्टि की कि वह हॉलीवुड स्टार एंजेलीना जोली के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह सस्पेंस बरकरार रखा कि यह कोई फिल्म है, कोई विज्ञापन है या फिर कुछ और। इसके अलावा, वह जल्द ही हॉलीवुड एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम के साथ भी एक नए प्रोजेक्ट की शुरुआत करने जा रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने की सौजन्य भेंट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी स्थित मुख्यमंत्री निवास में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सौजन्य भेंट की। छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए राज्यपाल गहलोत का मुख्यमंत्री साय ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को बस्तर की समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। भेंट के दौरान दोनों के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर आत्मीय चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने निवास में सुनी 'मन की बात', कहा : जनभागीदारी का सशक्त माध्यम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 135वीं कड़ी सुनी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मन की बात' जनता और नेतृत्व के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री के विचार देशवासियों को प्रेरित करते हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की कई कड़ियों में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और उपलब्धियों का उल्लेख होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। इस बार प्रधानमंत्री ने आगामी गणेशोत्सव में पर्यावरण संरक्षण के लिए मिट्टी से बनी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। वर्षा जल की हर बूंद के संरक्षण का संदेश देते हुए जल संचय को जनआंदोलन बनाने को कहा। प्रधानमंत्री ने मेघालय के जीवित रूट ब्रिज का उल्लेख कर प्रकृति और मानव के समन्वय का उदाहरण दिया। उन्होंने विज्ञान, तर्क और जागरूकता से अंधविश्वास दूर करने की जरूरत बताई। असम की महिलाओं द्वारा 'हरगिला आर्मी' के माध्यम से दुर्लभ पक्षी हरगिला के संरक्षण का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री ने नागालैंड में खेल संस्कृति बढ़ाने के लिए नागालैंड बेबी लीग और नागालैंड वुमन फुटसाल लीग का उल्लेख किया। नालंदा विश्वविद्यालय और सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक से आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। डोमिनिकन रिपब्लिक में 'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' के सदस्य वैदिक साहित्य का अध्ययन कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा की महिलाओं ने प्लास्टिक अपशिष्ट से सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, विधायक गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सच्चिदानंद उपासने, अखिलेश सोनी समेत अन्य जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे।

सहयोग संस्था का 15वां छात्र छात्रा सम्मान समारोह संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सहयोग एक सामाजिक संस्था का 15वां छात्र छात्रा सम्मान समारोह 2026 शुक्रवार को वृंदावन हॉल में आयोजित हुआ। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले समारोह में कक्षा 10वीं और 12वीं के कुल 88 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संत उदय शादानी के हाथों विद्यार्थियों को सम्मान दिया गया। इस अवसर पर अमर चंदनानी, राजू भाई तारवानी, मनोहर चंदनानी और शंकरलाल दानवानी ने भी बच्चों को सम्मानित किया।सहयोग संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदर देवानी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम हुआ। आयोजन में दीया मूलचंदानी, सिमरन चावला, प्राची खेमानी, रीना तलरेजा, महेश खिलनानी, अंकित रोहरा और समस्त महिला विंग का सहयोग रहा।समारोह में प्राची खेमानी और रीना तलरेजा ने बच्चों से उनके भविष्य, करियर और सपनों को लेकर चर्चा की। बच्चों ने मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपने विचार और लक्ष्य साझा किए। राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदर देवानी ने अपने संबोधन में कहा कि माता पिता को बच्चों की इच्छाओं और रुचियों को समझना चाहिए। 12वीं के बाद बच्चों को अपनी पसंद और क्षमता के अनुसार करियर चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। महिला विंग की दीया मूलचंदानी ने बच्चों से कहा कि जीवन में जो भी कार्य करें, उसे पूरी शिद्दत, मेहनत और ईमानदारी से करें। शिद्दत से किए गए कार्य में सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने बच्चों को तरक्की करने और माता पिता का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में चंदर देवानी और दीया मूलचंदानी ने विद्यार्थियों को पुरस्कार भी वितरित किए। संस्था ने मंच पर बच्चों की इच्छाओं, सपनों और भविष्य की योजनाओं को जाना।

मानसून की बेरुखी के बीच मदिरा प्रेमियों को राहत

प्रीमियम वाइन शॉप में लगीं दो नई फ्रीजर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में भीषण गर्मी और उमस के बीच जहां आमजन मानसून की बेरुखी से परेशान हैं, वहीं मदिरा प्रेमियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। आबकारी विभाग ने उपभोक्ताओं की लगातार मिल रही मांग और शिकायतों को ध्यान में रखते हुए बेमेतरा स्थित प्रीमियम वाइन शॉप में दो नए डीप फ्रीजर स्थापित कराए हैं। इससे अब ग्राहकों को पर्याप्त मात्रा में ठंडी बियर उपलब्ध हो सकेगी और पहले की तरह ठंडी बियर के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार, गर्मी के मौसम में प्रीमियम वाइन शॉप पर ठंडी बियर की मांग में लगातार वृद्धि हो रही थी। सीमित फ्रीजर क्षमता के कारण सभी ब्रांड की बियर को एक साथ ठंडा रखना संभव नहीं हो पा रहा था। इस वजह से कई बार ग्राहकों को सामान्य तापमान वाली बियर खरीदनी पड़ती थी, जिससे वे असंतुष्ट थे। इस संबंध में विभाग को लगातार शिकायतें और मांग प्राप्त हो रही थीं। इन्हीं शिकायतों को गंभीरता से लेते

हुए आबकारी विभाग ने प्रीमियम वाइन शॉप में तीन अतिरिक्त फ्रीजर उपलब्ध कराए हैं। नए फ्रीजर शुरू होने के बाद अब पहले की तुलना में अधिक मात्रा में बियर को ठंडा रखा जा सकेगा, जिससे ग्राहकों को उनकी पसंद की ठंडी बियर आसानी से उपलब्ध होगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। गर्मी के मौसम में ठंडी बियर की मांग को देखते हुए फ्रीजर की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, ताकि ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वहीं, प्रीमियम वाइन शॉप पर पहुंचे कई ग्राहकों ने भी इस व्यवस्था का स्वागत किया। उनका कहना है कि पहले पर्याप्त फ्रीजर नहीं होने के कारण कई बार ठंडी बियर उपलब्ध नहीं हो पाती थी, लेकिन अब नई व्यवस्था से काफी राहत मिलेगी। हालांकि, जिले में एक ओर लोग अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं और किसान मानसून की राह देख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आबकारी विभाग द्वारा की गई इस व्यवस्था ने मदिरा प्रेमियों को गर्मी के बीच कुछ राहत जरूर पहुंचाई है।

सूरजपुर में बीट प्रणाली मजबूत करने कायशाला, गांव वार्ड में लगेंगे बीट प्रभारियों के नंबर

डीआईजी एसएसपी ने कहा : जनता की शिकायत नम्रता से सुनें, महिला सुरक्षा पर विशेष फोकस

नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर

जिले में बीट प्रणाली को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए शनिवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में कायर्शाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य बुनियादी पुलिसिंग को मजबूत करना और जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ाना था। कायर्शाला में जिले के पुलिस अधिकारी और बीट प्रभारी मौजूद रहे।

जिले के 22 थाना चौकी क्षेत्रों के कुल 558 गांवों के लिए 70 बीट बनाई गई हैं। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस रेगुलेशन के अनुसार कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के लिए बीट व्यवस्था के निर्देश बताए। डीआईजी व एसएसपी ने कहा कि बीट प्रणाली पुलिस व्यवस्था का सबसे जमीनी हिस्सा है। बीट क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था हो जिससे हर सूचना और सावधानी की जानकारी नागरिक तक पहुंचे। बीट क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर आम लोगों से संवाद करें। असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें और तुरंत कार्रवाई करें। महिला सुरक्षा, बुजुर्गों की मदद और युवाओं को जागरूक करना भी बीट प्रणाली का हिस्सा है। कायर्शाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी अजाक रीना नीलम कुजूर, डीएसपी अनूप एक्का, जिले के थाना चौकी प्रभारी और सभी बीट प्रभारी मौजूद रहे।

गांवों में लगेंगे पोस्टर

डीआईजी व एसएसपी ने निर्देश दिया कि बीट प्रभारियों के नाम और मोबाइल नंबर के पोस्टर गांवों और वार्डों में लगाए जाएं। इससे जनता अपनी समस्या और शिकायत तुरंत पुलिस तक

पहुंचा सकेगी। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों को नम्रतापूर्वक सुनें और पेशेवर व गरिमापूर्ण व्यवहार करें।

बीट प्रभारियों की जिम्मेदारी तय

बीट क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम, सुरक्षा और जागरूकता की जिम्मेदारी तय की गई है। बीट प्रभारी हिस्ट्रीशीटरों, वारंटियों और संदिग्धों की सूची अपडेट रखेंगे और उनकी हरकतों पर नजर रखेंगे। बीट प्रभारी को रोज भ्रमण की रिपोर्ट थाना प्रभारी को देनी होगी। इसका रिकार्ड बीट बुक में दर्ज होगा। हर माह संबंधित एसडीओपी बीट बुक की जांच करेंगे।

महिला सुरक्षा पर जोर

महिला और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायतों, आंगनबाड़ी, हाट बाजारों और महिला समूह के आयोजनों में महिलाओं को सुरक्षा और कानूनी जानकारी देने को कहा गया।

बिजली बिल पर लेट पेमेंट सरचार्ज की नई व्यवस्था से उपभोक्ताओं को मिली राहत

अब पूरे महीने की जगह सिर्फ वास्तविक दिनों का ही लगेगा शुल्क

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी ने बिजली बिल के विलंब अधिभार को लेकर नई व्यवस्था लागू की है। कंपनी ने कहा है कि राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा लागू की गई यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को आर्थिक बोझ से राहत देने के लिए है। सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में चल रही दोहरा झटका या रोजाना ब्याज जैसी खबरों को कंपनी ने भ्रामक बताया है।

पुरानी व्यवस्था से था नुकसान

पावर कंपनी के अनुसार पुरानी व्यवस्था में नियत तिथि के बाद एक या दो दिन की देरी पर भी पूरे महीने का 1.5 प्रतिशत सरचार्ज वसूला जाता था। यह उपभोक्ताओं के लिए नुकसानदेह थी।

नई व्यवस्था में कैसे मिलेगा फायदा

संशोधित नियमों के तहत अब विलंब अधिभार 0.04 प्रतिशत प्रतिदिन की दर से लिया जाएगा। उपभोक्ता जितने दिन बिल पटाने में देरी करेगा, उसे केवल उतने ही दिनों का शुल्क देना होगा। एक दिन की देरी पर अब पूरे महीने का सरचार्ज नहीं, सिर्फ 0.04 प्रतिशत अधिभार देय होगा। वहीं पूरे 30 दिन की देरी पर कुल अधिभार 1.2 प्रतिशत बनेगा, जो पुरानी व्यवस्था के 1.5 प्रतिशत से कम है। पावर कंपनी ने स्पष्ट किया है कि नई व्यवस्था में अधिभार की दरें घटी हैं, बढ़ी नहीं हैं। कंपनी ने सभी समाचार माध्यमों और आमजन से अपील की है कि सही जानकारी साझा करें ताकि उपभोक्ताओं में फैला भ्रम दूर हो सके।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में छत्तीसगढ़ देश में पहले स्थान पर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती और शिशुवती माताओं के पंजीयन के लिए चल रहे विशेष अभियान में छत्तीसगढ़ ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। राज्य ने 15 जून से शुरू हुए अभियान के केवल 9 दिनों में ही निर्धारित लक्ष्य का 72 प्रतिशत पूरा कर लिया है। छत्तीसगढ़ ने हितग्राहियों के पंजीयन के साथ प्री रजिस्टर्ड हितग्राहियों के निराकरण में भी सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पयर्वेक्षकों और मैदानी अमले के समन्वित प्रयास से यह उपलब्धि मिली है।

विशेष अभियान के तहत जिला जांजगीर चांपा ने 96 प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रथम जीवित संतान के जन्म पर पात्र महिलाओं को 5,000 रुपये की सहायता दी जाती है। दूसरी संतान के रूप में बालिका के जन्म पर 6,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यह योजना महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण, संस्थागत प्रसव और शिशुओं के पोषण के लिए चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम और सभी सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मातृ और शिशु स्वास्थ्य राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व देने के साथ शिशुओं के स्वस्थ भविष्य की आधारशिला तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर देश के लिए आदर्श मॉडल बनेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विभागीय अधिकारियों, कमर्चारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रतिबद्धता और सतत निगरानी का परिणाम है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर पात्र गर्भवती और शिशुवती माता को योजना का लाभ मिले।

उन्होंने प्रदेश की सभी पात्र महिलाओं से 15 जुलाई तक चलने वाले विशेष अभियान में पंजीयन कराने की अपील की, ताकि मातृत्व के इस चरण में शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

यूसीसी से धार्मिक अधिकारों पर कोई रोक नहीं : इंद्रेश कुमार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में रविवार को समान नागरिक संहिता पर एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय अधिकारी और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संस्थापक इंद्रेश कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर शहर की जामा मस्जिद के मुतवल्ली हाजी मोहम्मद इकबाल मुन्ना ने की। राजधानी सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों की मस्जिदों के मुतवल्ली और समाज के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इंद्रेश कुमार ने कहा कि यूसीसी लागू होने से किसी भी समाज, विशेष रूप से मुस्लिम समाज के धार्मिक और मौलिक अधिकारों पर कोई रोक नहीं लगेगी। इबादत करने पर भी कोई पाबंदी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक पार्टियां अपने स्वार्थ के लिए समाज को भ्रमित कर रही हैं। ऐसे लोगों से बचना चाहिए और यूसीसी का अध्ययन कर समाज में जागरूकता लानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कुरान का पहला शब्द इकरा यानी

पढ़ाई है। पैगंबर साहब ने कहा कि जिस देश में रहो उससे मोहब्बत करो और उसके कानूनों का सम्मान करो। कुरान और पैगंबर के बताए इस्लाम पर अमल कर अच्छा मुसलमान बनकर समाज सुधार लाने की जरूरत है। यूसीसी एक रिफॉर्म व्यवस्था है जो सभी धर्मों में आई विसंगतियों को दूर करेगी। प्रश्नोत्तरी में उन्होंने स्पष्ट किया कि समान नागरिक संहिता का अर्थ धार्मिक परंपराएं छोड़ना नहीं है। पूजा पद्धति, रोजा, नमाज, हज, विवाह की धार्मिक रस्में या अन्य मान्यताएं यूसीसी से प्रभावित नहीं होंगी।मुस्लिम समाज ने यूसीसी का स्वागत किया। तीन तलाक और अन्य विषयों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना भी की गई। कार्यक्रम का संचालन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच छत्तीसगढ़ के प्रांत संयोजक युनूस कुरैशी ने किया। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज, महामंडलेश्वर अजय

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की परिचर्चा में बोले आरएसएस के वरिष्ठ नेता, प्रदेशभर के मुतवल्ली रहे मौजूद

राम, स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक जगदीश पटेल, शेख मुबीन, हाजी इदरीस मेमन, हाजी बशीर अहमद, मो जिलानी, रिजवान खान, हाजी सैयद मोहम्मद अली, मो जावेद, मो फिरोज, मो अशफाक कुरैशी, परवेज सलमानी, मो परवेज, एस के मोबीन सहित कई गणमान्य मौजूद रहे। प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार जाकिर घरसेना, शगुफ्ता शीरीन, शेख आबिद समेत अन्य पत्रकार भी शामिल हुए।

पीएम जनमन आवास से कृष्णा बैगा को मिला पक्का घर, बदली जिंदगी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम पंचायत पंडरीपानी के निवासी कृष्णा बैगा का पक्के घर का सपना पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत उन्हें पक्का आवास मिलने से परिवार के जीवन में नया बदलाव आया है। कृष्णा बैगा लंबे समय से परिवार के साथ कच्चे मकान में रहते थे। बरसात में दीवारों में सीलन आ जाती थी और छत से पानी टपकता था। घर में सांप बिच्छुओं के आने का खतरा बना रहता था। सीमित संसाधनों के कारण खुद पक्का घर बनाना संभव नहीं था।प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत उनका आवास स्वीकृत हुआ। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मार्गदर्शन में पक्का घर तैयार हो गया। आज उनका परिवार सुरक्षित, स्वच्छ और मजबूत आवास में रह रहा है। कृष्णा बैगा ने बताया कि अब बरसात चिंता का कारण नहीं रही। छत से पानी नहीं टपकता और दीवारों में सीलन नहीं है। सबसे बड़ी राहत यह है कि परिवार को सांप बिच्छुओं और अन्य खतरों का डर नहीं सताता। पक्के घर से जीवन स्तर सुधरा है और भविष्य को लेकर नया आत्मविश्वास आया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पक्का घर मिलने से परिवार का जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब हम बिना डर के सुकून और सम्मान के साथ रह रहे हैं। राज्य सरकार केंद्र के सहयोग से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों सहित पात्र ग्रामीण परिवारों को आवास दे रही है।

सेक्टर-4 जगन्नाथ मंदिर में हर्षोल्लास से मनी देवस्नान पूर्णिमा, जुटे लोग

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

सेक्टर 4 स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में रविवार को 57वें रथयात्रा महोत्सव की शुरुआत पारंपरिक श्रद्धा के साथ हुई। देवस्नान पूणिर्मा का आयोजन हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। पूरा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंज उठा। धार्मिक परंपरा के अनुसार महाप्रभु श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को बाजे गाजे के साथ पहंडी करते हुए गभर्गृह से देव स्नान मंडप पर लाया गया। मुख्य पुरोहित पितवास पाढ़ी के नेतृत्व में पुरोहित परितोष पाणिग्रही, रंजन महापात्र, रंजीत रथ, सुशांत सतपथी और सरोज दास ने वैदिक विधि विधान से महाप्रभु का स्नान कराया। 108 कलशों के सुगंधित और औषधियुक्त जल से महास्नान हुआ। इसके बाद महाप्रभु का गजराज वेश में भव्य श्रृंगार किया गया। मान्यता है कि अत्यधिक स्नान के कारण महाप्रभु बीमार हो गए हैं। स्नान पूणिर्मा के बाद महाप्रभु को स्वास्थ्य लाभ के लिए अणसर गृह में स्थापित कर दिया गया है। आज से 14 जुलाई 2026 तक मंदिर के पट आम दशर्नार्थियों के लिए बंद रहेंगे। इस अनावसर काल में महाप्रभु को केवल जड़ी बूटियों, काढ़े और दिव्य औषधियों का भोग लगाया जाएगा। 14 जुलाई 2026 को नेत्र उत्सव का आयोजन होगा। इसके बाद महाप्रभु स्वस्थ होकर भक्तों को दर्शन देंगे और मंदिर के पट खोले जाएंगे।

16 जुलाई को निकलेगी 57वीं भव्य रथयात्रा

श्री जगन्नाथ समिति के महासचिव सत्यवान नायक ने बताया कि सेक्टर 4 जगन्नाथ मंदिर से निकलने वाली यह भिलाई की सबसे पुरानी रथयात्रा है। 16 जुलाई 2026 गुरुवार को दोपहर 2:00 बजे से भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। यात्रा पूरे वैभव के साथ सेक्टर 4 मंदिर से प्रारंभ होगी। उत्सव को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सतपति, महासचिव सत्यवान नायक सहित अनाम नाहक, वृंदावन स्वांई, डी त्रिनाथ, त्रिनाथ

साहू, बसंत प्रधान, बीसी बिस्वाल, भीम स्वांई, सीमांचल बेहेरा, सुशांत सतपथी, कालू बेहेरा, बीसी केशन साहू, निरंजन महाराणा, प्रकाश स्वांई, कवि बिस्वाल, कैलाश पात्रो, रबि स्वांई, जगन्नाथ पटनायक, वी के होता और हिमांशु शांति ने योगदान दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लोगों को डराने वाला युवक गिरफ्तार आर्म्स

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

सुपेला पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर लोगों को भयभीत करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक नग धारदार हथियार जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार 28 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन रोड के पास गौठान के सामने, कोसानगर क्षेत्र में एक व्यक्ति हाथ में धारदार हथियार लेकर लहराते हुए आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राकेश सोना, उम्र 27 वर्ष, निवासी अटल आवास, कोसानगर, ज्योतिबा फुले स्कूल के पास, थाना सुपेला बताया। तलाशी में उसके पास से एक धारदार हथियार बरामद हुआ जिसे जब्त कर लिया गया।

महिला मोर्चा ने खुर्सीपार में पाक कला और रंगोली स्पर्धा

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा खुर्सीपार मंडल की ओर से मंगल भवन, श्रीराम चौक, खुर्सीपार में पाक कला, रंगोली एवं गोली चम्मच दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय शामिल हुए। वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैया सोनी, जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, संगठन मंडल प्रभारी सुषमा जेठानी, प्रवीण पांडे, मनीष पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह तथा महिला मोर्चा मंडल की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहीं। आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पाक कला

और रंगोली प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। गोली चम्मच दौड़ में भी उत्साह दिखा। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100